वैशाख शुक्ल पक्ष- 14, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 294 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

30 अप्रैल 2026 गुरुवार

आज का मौसम

43.0 अधिकतम

26.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

इस बार ममता के पैर में न प्लास्टर था और न साथ में गैस सिलेंडर

दोपहर मेट्रो नजरिया

राजेश सिरोठिया

ओपिनियन पोल हों या मतदान की प्रक्रिया के बाद होने वाले एग्जिट पोल। इनके एग्जेक्ट होने पर मेरा कोई ख़ास यकीन नहीं रहा है। ऐसा मेरी चार दशक की पत्रकारिता और चुनावी आकलन के पुराने अनुभवों के आधार पर हुआ है। इस तरह के सर्वे करने वाली टीम से जुड़े निचले स्तर के मार्केटिंग सर्वेक्षण कर्ताओं की न तो कोई राजनीतिक समझ होती है और न किसी क्षेत्र की जमीनी समझ। उनके जुटाए गए आंकड़ों के आधार पर ही सर्वे एजेंसियां अपने निष्कर्षों को लेकर खबरिया चैनलों पर हार जीत के दावे करती हैं। किसी के निष्कर्ष या अनुमान कभी सही साबित हो जाते हैं तो कभी गलत। यानी सही लगा तो तीर या फिर तुक्का हो जाता है। अनुमान गलत निकले तो फिर सामने रह जाती है, मात्र खिसियाहट...!

पत्रकारिता के साथ मास कम्युनिकेशन के विद्यार्थी के नाते मैं यह कह रहा हूँ। इसकी वजह भी साफ़ है। सांख्यिकी विज्ञान का तकाजा भी यही है। सबसे अहम सवाल है कि सर्वे किन क्षेत्रों में किया गया? किन बूथ पर किया गया? सैंपल लेते वक्त यदि एक फीसदी की भी गलती हो तो अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचने पर यह गलती 25 फीसदी तक हो जाती है। इस बार जिन चार राज्यों के मतदान के बाद जो अनुमान लगाए गए हैं, उनकी कहानी भी यही सब बयां कर रही है। चार मई को ईवीएम से निकलने वाले आंकड़े एजेंसियों के सर्वे की सच्चाई बता देंगे। पता चल जाएगा किसका तीर निशाने पर बैठा या फिर तुक्का साबित हुआ। या फिर यह सिर्फ फ्यूटल एक्सरसाइज थी।

बंगाल, असम और पुदुचेरी के एग्जिट पोल में से अधिकांश बीजेपी की जीत का दावा कर रहे हैं। तमिलनाडु में डीएमके जो कांग्रेस के साथ लड़ी की वापसी के अनुमान जताए गए हैं। केरल में कांग्रेस की अगुवाई वाले यूडीएफ की जीत और मौजूदा वामपंथी सरकार यानी एलडीएफ (लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट) की हार के दिखाई जा रही है। पिछली बार बंगाल को लेकर आकलन पूरी तह गलत साबित हुए थे तो असम, केरलम तथा पुडुचेरी को लेकर ज्यादातर नतीजों के आसपास या सटीक बैठे। इस बार सभी एजेंसियां एकाध अपवाद को छोड़ दें तो एक राय दिख रही हैं। इसका असली फैसला चार मई को ही होगा और चीखते हुए खबरिया चैनलों के दावे भी होंगे वह कितने सही निकले। बहरहाल, इन सब दावों और प्रतिदावों के बीच दोपहर मेट्रो का अपना जो आकलन है, वह जमीनी हकीकत के करीब पहुंचने की कवायद है जो यथार्थ के खुरदुरे धरातल की बुनियाद पर खड़ा है।

दीदी के हरेक दांव का बीजेपी के पास जवाब

जरा याद करें 2021 के चुनाव को। बीजेपी और सर्वे एजेंसियों के दावों को...! उस बार बीजेपी अति आत्म विश्वास का शिकार हुई तो उसके तीन प्रमुख कारण थे।

पहला: चुनाव के दौरान केंद्र की एनडीए सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडरके दाम तीन बार बढ़ाए। जबकि आमतौर पर चलती चुनावी प्रक्रिया के दौरान कोई भी सियासी दल इस तरह के जोखिम उठाना तो दूर इसके बारे में सोचता भी नहीं। नतीजा यह हुआ कि ममता बनर्जी ने पैर में प्लास्टर बांधकर सहानुभूति बटोरी और अपने पूरे चुनावी अभियान के दौरान गैस सिलेंडर साथ लेकर चलीं। यह सूबे की आधी आबादी यानी नारी शक्ति को अपील करने वाला था। महिला के डीएनए में किफायत का पुट गहराई तक समाया हुआ है।

दूसरा: बीजेपी के अभियान में ममता बनर्जी को सीधा निशाना बनाना बड़ी भूल थी। इतिहास से लेकर पौराणिक काल के उदाहरण सबके सामने हैं कि भारतीय समाज नारी के अपमान को बर्दाश्त नहीं करता। हाँ यदि ममता के ख़िलाफ़ बीजेपी के अभियान को किसी असरदार महिला चेहरे को सामने रखकर चलाया जाता तो शायद इसका उतना असर नहीं होता।

तीसरा कारण: प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने किसी महिला को आगे करने की बजाय खुद मोर्चा संभाला। भाषणों में ममता को लेकर उनके तंज (दीदी... ओ दीदी... जैसा उवाच) किसी को भी पसंद नहीं आया। बात वही ठहरी, यानी किसी महिला को नीचा दिखाने वाली।

इस बार क्या हुआ... नरेंद्र मोदी की कोई लाख बुराई करे, उनके ग़लत फैसलों की आलोचना करे, लेकिन इस सच से कोई इंकार नहीं कर सकता कि गलती का एहसास होने पर भूल सुधार में वह एक मिनट की भी देरी नहीं करते। यही बात उनके राजनीतिक शिष्य यानी अमित शाह पर भी लागू होती है। यानी कोर्स ऑफ़ करेक्शन की यह अदा मोदी – शाह को दूसरे नेताओं की जमात से अलग खड़ा करती है। इस बार के विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने इन तीनों गलतियों से परहेज किया।

चुनावी गणित के मुताबिक व्यूह रचना

पहला: ममता पर सीधे हमले के बजाय टीएमसी सरकार के भ्रष्टाचार और उसकी नाकामियों पर फोकस करते हुए चुनाव प्रचार।

दूसरा: जमीनी हकीकत को स्वीकारना। बंगाल की कुल सीट यानी 294 में से 126 ऐसी हैं जहाँ मुस्लिम आबादी चालीस से पचास फ़ीसदी है। इनमें से भी छह जिले मालदा, मुर्शिदाबाद, उत्तर और दक्षिण परगना, उत्तरी दिनाजपुर और वीरभूम। 118 सीट इन्हीं जिलों में है जहाँ पर मुस्लिम आबादी सबसे ज्यादा है। इनमें बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए भी हैं। वे आँख मूँदकर बीजेपी के ख़िलाफ़ ममता को वोट अपने वजूद की खातिर करते आए हैं। मतलब साफ- यहां से बीजेपी का जीतना बेहद मुश्किल था और अभी भी हो सकता है। बची हुई 168 में से बहुमत के लिए जरूरी 148 सीट कैसे मिल सकती हैं?

एसआईआर (गहन मतदाता परीक्षण) के बाद इस समीकरण में कुछ बदलाव तो हुआ है और नतीजों में इसका असर भी दिखेगा। बंगाल के कुल सात करोड़ 66 लाख वोटर्स में से कटने/जुड़ने के बाद 91 लाख वोटर कम हुए। यानी पौने सात करोड़ मतदाता ही पात्र माने गए। पहले दौर की जिन 152 सीट पर मतदान हुआ उनमें से अधिकांश हिंदू बहुल थे या वहां मुस्लिम निर्णायक भूमिका नहीं निभाते। इन सीटों पर एसआईआर के बाद बीस लाख वोटर कम हुए जबकि बाकी की 142 सीटों पर जहां दूसरे चरण में वोटिंग हुई,वहां 71 लाख वोटर्स घटे। इनमें ज्यादातर निर्णायक मुस्लिम बहुल आबादी (बांग्लादेशी घुसपैठिए) के थे।

इस बार मुस्लिम वोटर्स का गणित थोड़ा अलग

इसमें कोई शक नहीं कि ज्यादातर मुस्लिम मतदाता टीएमसी के पक्ष में रहे। लेकिन सीपीएम और कांग्रेस के अलग लड़ने से कुछ मुस्लिम मतदाता बिखरे भी। कुछ ऐसे भी थे जिनकी मानसिकता में बदलाव आया है। यूपी और बिहार के अलावा बंगाल में भी ऐसे मुसलमान भी हैं जो यह मानते हैं कि बीजेपी का भय दिखाकर कांग्रेस, सीपीएम और टीएमसी जैसी पार्टियां उनके वोट अपनी झोली में डालती हैं। ऐसे में उनका बदलता रुझान असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम तथा टीएमसी से अलग होकर बंगाल में बाबरी मस्जिद की बात करने वाले हुमायूँ कबीर की पार्टी की तरफ़ भी रहा। यह बिखराव मामूलीभी हो, तो भी यह उन सीटों के नतीजों पर फ़र्क डालेगा जहाँ पिछली बार एक से पाँच हज़ार वोट तक से टीएमसी की जीत हुई थी। यदि यह फैक्टर मतदान में तब्दील होगा तभी बीजेपी 100 से 120 के आंकड़े से आगे जा सकती है। और,,, 148 के पार भी जा सकती है। माँ काली और माछेर भात के ज़रिए भाजपा ने ममता के उस मुद्दे की भी हवा भी निकाली जिसमें कहा जा रहा था कि बीजेपी आई तो मांस पर प्रतिबन्ध लग जाएगा। महिला कल्याण के वादे और दावे किए तो युवाओं को लुभाने के लिए बढ़चढ़ कर सपने भी दिखाए। इन पर ये दोनों वर्ग बीजेपी सरकारों के वादा निभाने के पिछले ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर यकीन भी कर सकते है। - जारी

(कल बात करेंगे असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के वोटिंग पैटर्न और जमीनी तस्वीर की)

गुजरात-बेंगलुरु, समय : शाम 7.30 बजे

भारी पड़ती जंग... क्रूड अब 126 डॉलर प्रति बैरल, ईरान ने कहा - अगला पड़ाव 140 डॉलर होगा

ईरान पर बड़े हमले की आशंका से कच्चा तेल आसमान पर, चार साल में सबसे महंगा

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में जंग के बीच कच्चे तेल की कीमत 126 डॉलर प्रति बैरल के पार कर गई है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 126.31 डॉलर प्रति बैरल तक चली गई, जो मार्च 2022 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। फिलहाल यह 125 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास ट्रेंड कर रहा है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को आज ईरान के खिलाफ हमले से जुड़ी ब्रीफिंग दी जाएगी। खबर है कि सेंटकॉम ने ईरान के खिलाफ 'छोटे लेकिन बहुत ताकतवर हमलों' की प्लानिंग तैयार की है। इसका मकसद सीधे युद्ध को लंबा खींचना नहीं, बल्कि ईरान पर दबाव बनाना है ताकि वह बातचीत में झुक जाए।

इसी खबर के बाहर आने के बाद तेल की कीमतें बढ़ी हैं। वही तेल की कीमतें बढ़ने को लेकर ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने तंज कसते हुए

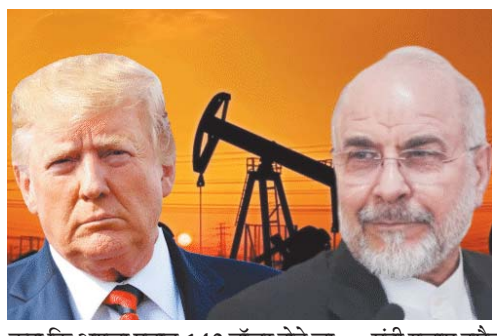

कहा कि अगला पड़ाव 140 डॉलर होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रम्प को उनके लोग बेकार सलाह दे रहे हैं। उन्होंने अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट का भी मजाक उड़ाया और कहा कि उनकी सलाह की वजह से तेल की कीमतों में इजाफा हो रहा है। खबरें यह भी हैं कि अमेरिका कुछ और विकल्पों पर भी काम कर रहा है। इनमें होर्मुज के कुछ हिस्सों पर कंट्रोल करना शामिल है, जो दुनिया के लिए तेल सप्लाई का बहुत अहम रास्ता है। इसके अलावा, अमेरिका ईरान के हाई एनरिच्ड यूरेनियम के भंडार को कब्जे में लेने के लिए स्पेशल फोर्स भेजने जैसे कदमों पर भी विचार कर रहा है।

ईरान में 10 लाख नौकरियां खत्म: सरकारी मीडिया के अनुसार, उप श्रम मंत्री गुलाम हुसैन मोहम्मदी ने बताया कि युद्ध की वजह से ईरान में सीधे तौर पर कम से कम 10 लाख नौकरियां खत्म हो गई हैं। इन हमलों के दूरगामी प्रभावों के चलते लगभग एक करोड़ नौकरियां खतरे में पड़ गई हैं जो ईरान के कुल कार्यबल का आधा हिस्सा है। ब्रांडिस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता अर्थशास्त्री हादी कहलजादेह के अनुसार, हवाई हमलों में 20 हजार फैक्ट्रियां क्षतिग्रस्त हो गईं, जो देश की कुल उत्पादन इकाइयों का लगभग 20 फीसदी हिस्सा हैं।

सरकार ने माना... भारत पर बढ़ा महंगाई का खतरा

इधर, केंद्रीय वित्त मंत्रालय की मासिक आर्थिक रिपोर्ट में स्वीकार किया गया है कि पश्चिम एशिया संघर्ष से भारत के सप्लाई चेन को बड़ा झटका लगा है। इससे महंगाई भड़कने का जोखिम बढ़ गया है। वित्त मंत्रालय की तरफ से अप्रैल महीने के लिए मासिक समीक्षा रिपोर्ट जारी की गई है। इसमें बताया गया है कि युद्ध से कारोबार और वित्तीय प्रवाह पर जोखिम बढ़ गया है। हालांकि इसमें कहा गया है कि मजबूत घरेलू मांग, नीतिगत समर्थन, सुदृढ़ वित्तीय प्रणाली और सार्वजनिक निवेश से भारतीय अर्थव्यवस्था को कुछ हद तक सुरक्षा मिलेगी। इस समय कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के साथ साथ रासायनि खान की सप्लाई को लेकर जो लंबी अनिश्चितता उभरी है, वह देश की वृहद आर्थिक स्थिरता की मजबूती की परीक्षा ले सकती है।

गेहूं खरीदी

सीएम ने किसानों से लिया फीडबैक

खरगोन, एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज खरगोन प्रवास के दौरान कतरगांव में गेहूं उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। यहां स्लॉट बुकिंग और उपार्जन की अन्य व्यवस्था और किसानों को ओटीपी के माध्यम से किये जा रहे भुगतान की जानकारी प्राप्त की। किसानों से चर्चा कर फीडबैक भी लिया। उपार्जन के लिए आ रहे किसानों के लिए पानी, छांव आदि सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा प्रत्येक अन्नदाता को सम्मान, सुविधा एवं उपज का उचित मूल्य दिलाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

न्यूज विंडो

दिल्ली के गोल्फ कोर्स तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका गोल्फ कोर्स में तीन बच्चों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस की शुरुआती जांच में चारदीवारी कूदकर प्रवेश करने व डूबकर मरने की बात सामने आई है। डीसीपी द्वारका के अनुसार, आज सुबह करीब 7:07 बजे पीएस सेक्टर-23 द्वारका को सेक्टर 24 गोल्फ कोर्स के एक तालाब में तीन बच्चों के डूबने की सूचना एक पीसीआर से मिली। सूचना मिलते ही एसएचओ अपने स्टाफ के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए।

सीआईएससीई बोर्ड के 10वीं और 12वीं के नतीजे घोषित

नई दिल्ली। सीआईएससीई बोर्ड ने वर्ष 2026 की कक्षा 10वीं (आईसीएसई) और 12वीं (आईएससी) की परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। कक्षा 10वीं की आईसीएसई परीक्षा में कुल 99.18 फीसदी छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। वहीं, कक्षा 12वीं की आईएससी परीक्षा में 99.13 फीसदी छात्रों को सफलता मिली है। 10वीं-12वीं दोनों में लड़कियों ने मारी बाजी मारी है। छात्रों को अपने अंक देखने के लिए बोर्ड की वेबसाइट **results.cisce.org** पर जाना होगा। वे अपने रोल नंबर और अन्य आवश्यक जानकारी का उपयोग कर सकते हैं।

पुणे में बंद प्लांट से क्लोरीन गैस लीक, 24 लोग भर्ती

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में गुरुवार देर रात क्लोरीन गैस लीक होने से हड़कंप मच गया। इस घटना में 22 लोग और दो फायर ब्रिगेड कर्मियों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। फायर अधिकारियों के मुताबिक, यह रिसाव कोंढवा इलाके के गंगाधाम क्षेत्र में एक बंद पड़े जल शुद्धिकरण संयंत्र के गोदाम से हुआ। रात करीब 1 बजे वहां रखे क्लोरीन से भरे एक पुराने टैंक से गैस लीक होने लगी।

कनाडा में दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में अफरा-तफरी, खालिस्तानी झंडे लहराए

नईदिल्ली, एजेंसी

कनाडा के वैंकूवर में आयोजित एक म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान वैश्विक स्तर पर मशहूर पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ को अप्रत्याशित विरोध का सामना करना पड़ा। 'औरा' नामक इस लाइव इवेंट में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कुछ कट्टरपंथी तत्वों ने कार्यक्रम में घुसकर शो के बीच ही रुकावट पैदा करनी शुरू कर दी। इस घटना के बाद विदेशी धरती पर भारतीय कलाकारों की सुरक्षा को लेकर

एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। संगीत कार्यक्रम जब अपने पूरे शबाब पर था, तभी प्रदर्शनकारियों का एक समूह खालिस्तानी झंडे लहराते हुए वेन्यू के भीतर दाखिल हो गया। इन लोगों ने भारत विरोधी नारे लगाए और दिलजीत पर भी निशाना साधा। गायक पर राजनीतिक झुकाव रखने का आरोप लगाते हुए उन्हें विशेष भारतीय संगठनों का एजेंट बताकर नारेबाजी की।

सीएनजी कार बनी आग का गोला, 5 जिंदा जले

अलवर, एजेंसी

राजस्थान के अलवर जिले से एक बड़े सड़क हादसे की खबर सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार, अलवर के लक्ष्मणगढ़ इलाके में सीएनजी से चलने वाली एक कार में आग लगने से पांच लोग जिंदा जल गए। यह हादसा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर बुधवार, 29 अप्रैल की देर रात हुआ। लोगों की माने तो चलती कार में ही अचानक आग लग गई। इस दौरान ड्राइवर ने बड़ी मुश्किल से अपनी जान बचाई। वहीं,

मरने वाले लोग मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के रहने वाले थे और वैष्णो देवी से दर्शन कर लौट रहे थे। कार चालक एमपी के श्योपुर निवासी विनोद कुमार मेहर ने बड़ी मुश्किल से कार से कूद कर अपनी जान बचाई।

बारातियों से भरी बस पलटी, 3 की मौत

राजगढ़। मुरैना से इंदौर जा रही बारातियों से भरी बस राजगढ़ के पास हाईवे पर अनियंत्रित होकर पलट गई। इस भीषण हादसे में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हैं। घायलों को तुरंत जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है। इस हादसे की वजह से खुशियों भरा माहौल मातम में बदल गया।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर | बर्फबारी, भूस्खलन और खराब मौसम में सड़क यात्रा का जोखिम उठाने की जरुरत नहीं

वंदे भारत से अब पांच घंटे में जम्मू से श्रीनगर का आरामदायक सफर

जम्मूतवी, एजेंसी

कश्मीर घाटी जाने वालों के लिए अच्छी खबर है। जम्मू से कश्मीर तक नौ घंटे का सफर अब केवल पांच घंटे पूरा होगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज जम्मू से श्रीनगर तक सीधी ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना किया। अब दिल्ली से जम्मू पहुंचें और वहां से वंदे भारत में बैठकर सीधा कश्मीर जा सकते हैं। यह ट्रेन पर्यटकों के लिए सबसे बेहतर होगी।

जम्मू से कश्मीर की दूरी 267 किलोमीटर है। सड़क से जाने में आमतौर पर 8 से 9 घंटे का समय लगता है। और बर्फबारी, भूस्खलन और खराब मौसम में सड़क यात्रा जोखिम भरी होती है और समय भी अधिक लगता है। पर नई वंदे भारत

ट्रेन केवल पांच घंटे में यह दूरी तय करेगी। आज औपचारिक उद्घाटन के बाद यह ट्रेन 2 मई से नियमित चलेगी। जम्मू तवी से पहली ट्रेन सुबह 6.20 बजे चलेगी और दूसरी दोपहर 1.02 बजे चलेगी। वहीं श्रीनगर से सुबह 8.00 बजे और दोपहर 2.00 बजे ट्रेन जम्मू के लिए रवाना होगी।

सप्ताह में 6 दिन चलने वाली यह ट्रेन केवल दो स्टेशनों श्री माता वैष्णो देवी कटरा और बनिहाल में रुकेगी। किराया भी आम यात्रियों के हिसाब से रखा गया है। एसी चेयर कार का किराया 715 रुपये और एग्जीक्यूटिव चेयर कार में किराया 1,515 रुपये तक है। सभी टिकटों में खाने की सुविधा भी शामिल है। इसमें कुल 20 कोच लगाए गए हैं, जो पहले की तुलना में दोगुनी क्षमता वाले हैं. इससे वेटिंग लिस्ट की समस्या भी काफी हद तक कम हो जाएगी। ट्रेन में आधुनिक सुविधाएं जैसे ऑटोमैटिक दरवाजे, जीपीएस आधारित ट्रैकिंग सिस्टम, बायो-वैक्यूम टॉयलेट, वाई फाई और सर्दियों में विशेष हीटिंग व्यवस्था दी गई है।

वैष्णो देवी यात्रा में आसानी

अब वैष्णो देवी दर्शन करने जाने वाले श्रद्धालुओं को कटरा स्टेशन पर ट्रेन बदलने का झंझट नहीं होगा। वे सीधे जम्मू तवी से वंदे भारत में बैठकर कटरा और आगे श्रीनगर तक पहुंच सकेंगे। इस ट्रेन के शुरू होने से जम्मू-कश्मीर के छात्रों, मरीजों, सरकारी कर्मचारियों और पर्यटकों को बड़ी राहत मिलेगी। सर्दियों में जब सड़कें बंद हो जाती हैं, तब यह ट्रेन स्थानीय लोगों के लिए लाइफलाइन का काम करेगी। इसके अलावा कश्मीरी हस्तशिल्प, सूखे मेवे और फलों के व्यापार को भी रफ्तार मिलेगी। व्यापारी अब कम समय और कम खर्च में अपने माल को जम्मू और अन्य हिस्सों तक पहुंचा सकेंगे।

मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से बिखेरे कला के रंग

भोपाल। विश्व नृत्य दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती द्वारा मानस भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि 'गिरीश जोशी' ने सरस्वती पूजन के साथ किया। कार्यक्रम का आयोजन संस्कार भारती संस्था कि अध्यक्ष अरूणा शर्मा, के मार्गदशक में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य थीम 'भक्ति प्रवाह' रही, जिसमें हनुमान चालीसा और रामायण जैसे भक्तिमय गीतों पर नृत्य प्रस्तुतियां दी गईं। भोपाल के विभिन्न क्षेत्रों से आए 57 कलाकारों ने इसमें भाग लिया।

आवेदक कई बार कर चुके शिकायतें, लेकिन सुनवाई नहीं

सहकारिता की 285 शिकायतें लंबित दफ्तरों के चक्कर लगा रहे लोग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जिले में सहकारिता की शिकायतों को लेकर विभाग गंभीर नहीं है, यही कारण है कि अब भी मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर 285 शिकायतें लंबित बनी हुई हैं। सहकारिता संस्थाओं की गड़बड़ियों से परेशान होकर लोग विभाग के कार्यालय में न्याय की गुहार लगाते हैं, लेकिन सुनवाई नहीं होने से वह कार्यालयों के चक्कर लगाते रहते हैं। इतना ही नहीं वह न्याय की उम्मीद से कलेक्टर के पास भी पहुंच रहे हैं। हालात यह है कि एक-एक आवेदक ने न्याय के लिए कई बार आवेदन दिए, लेकिन अब तक सुनवाई नहीं हुई है।ऐसे में अब इनकी समस्या का समाधान करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा योजना बनाई जा रही है, जिसके तहत इनकी एक ही जगह सुनवाई होगी और निराकरण भी कर दिया जाएगा।

जानकारी के अनुसार जिले में एक दर्जन से अधिक ऐसी सहकारी संस्थाएं हैं जिनके विवाद लंबे समय से चले आ रहे हैं। इन संस्थाओं में अध्यक्ष व सदस्यों के द्वारा किए गए फर्जीवाड़े की वजह से सदस्य परेशान हैं। जिनको राशि जमा करने के बाद भी प्लाट नहीं मिला है और न ही उनके नाम रजिस्ट्री हुई है।

ऐसे में न्याय नहीं मिलने से परेशान सदस्य पुराना सचिवालय स्थित सहकारिता विभाग के कार्यालय पहुंच रहे हैं लेकिन वहां भी सिर्फ आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिलता है। यहां ऐसी कोई ठोस व्यवस्था नहीं है, जिससे कि लोगों की समस्या का समाधान हो सके।

फाइल फोटो

तीन महीने से फाइलों में बंद हैं शिकायतें

लोग अपनी शिकायतों को लेकर कलेक्टर जनसुनवाई में बार-बार चक्कर लगा रहे हैं लेकिन निराकरण नहीं हो पा रहा है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर सहकारिता की अब तक कुल 285 शिकायतें लंबित हैं, जबकि 50 दिन से करीब 244 शिकायतें लंबित हैं। वहीं अप्रैल में करीब 40 शिकायतें दर्ज हुई थी, जिनमें से मात्र सात शिकायतों का ही संतुष्टि के साथ निराकरण किया जा सका है।

15 साल से न्याय के लिए परेशान सदस्य

प्रीति सक्सेना, कन्हैयालाल बिजलानी,भूपेंद्र सिंह सहित अन्य ने शिकायत करते हुए बताया कि रोहित गृह निर्माण समिति संस्था में विकास शुल्क जमा करने के बाद भी 15 सालों से आवंटित प्लाट की रजिस्ट्री नहीं करवाई गई है।समिति में सहकारिता विभाग से प्रशासक नियुक्त हैं लेकिन किसी भी पीड़ित को न्याय नहीं मिला है।वह कलेक्टर जनसुनवाई, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, सहकारिता विभाग सहित अन्य कार्यालयों में शिकयतें कर चुके हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

ऐसे में सदस्य एसडीएम, तहसील न्यायालय के साथ-साथ कलेक्टर के पास तक पहुंच रहे हैं लेकिन सहकारिता विभाग का मामला होने से वह भी वापस आवेदकों को वहीं भेज देते हैं।यही कारण है कि शिकायतें लंबित रहती हैं और लोग कार्यालयों के चक्कर लगाते रहते हैं। ऐसे ही मामले कलेक्टर के पास पहुंच रहे हैं, जिन्हें उन्होंने गंभीरता से लेते हुए सहकारिता विभाग के अधिकारियों से जवाब मांगा है। इस मामले में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा का कहना है कि गृह निर्माण सहकारी संस्थाओं से संबंधित अनेक शिकायतें जनसुनवाई व अन्य माध्यम से मिल रही हैं। एक ही शिकायत अलग-अलग विभागों में दर्ज की जा रही है लेकिन हल नहीं निकल पा रहा है। ऐसे में जल्द ही समस्या का समाधान करने के लिए एक ही जगह सुनवाई की व्यवस्था की जाएगी, जिससे लंबित शिकायतों का समय पर समाधान किया जा सके।

शीतल जल अभियान का हुआ शुभारंभ

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

न्यू मार्केट क्षेत्र में समाजसेवा और जनकल्याण की एक सराहनीय पहल के रूप में शीतल जल अभियान का शुभारंभ हुआ। समग्र अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित इस कार्य का शुभारंभ खेड़ापति हनुमान मंदिर परिसर में अतिथियों ने वॉटर कूलर एवं आरओ का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गोविन्द गोयल अध्यक्ष भोपाल चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एवं लक्ष्मीनारायण बंसल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि

भीषण गर्मी के इस दौर में आमजन को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराना न केवल मानवता की सेवा है, बल्कि यह सामाजिक उत्तरदायित्व का भी उत्कृष्ट उदाहरण है। इस अवसर पर सुनील गर्ग, प्रहलाद दास अग्रवाल, आर.के. गुप्ता, रामेश्वर अग्रवाल, मधुर अग्रवाल, शरद अग्रवाल, मंजू गुप्ता, होरीलाल गर्ग आदि मौजूद रहे।

रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा को लेकर बैठक

डीजीपी ने संवेदनशील स्टेशनों पर सुरक्षा प्रबंध के दिए निर्देश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा और सिंहस्थ के दौरान रेलवे की व्यवस्थाओं को लेकर बुधवार को एमपी और अन्य राज्यों के अफसरों की समन्वय बैठक हुई। इसमें रेलवे परिक्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, रेलवे ट्रैक को अवरोधमुक्त रखने, भीड़ नियंत्रण, यात्रियों की सुरक्षा, महिला एवं वरिष्ठ नागरिक सुरक्षा, अपराधों की रोकथाम, संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी और संवेदनशील स्टेशनों पर सुरक्षा प्रबंधन के लिए अलर्ट रहने को कहा।

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा की अध्यक्षता में राज्य रेल सुरक्षा उच्चस्तरीय समन्वय समिति की बैठक पुलिस मुख्यालय भोपाल में हुई। बैठक में एमपी से होकर गुजरने वाले रेल नेटवर्क की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने, विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के मध्य समन्वय बढ़ाने और आगामी बड़े आयोजनों के दृष्टिगत रणनीतिक तैयारी पर चर्चा की गई।

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि रेलवे सुरक्षा से जुड़े सभी बिंदुओं पर पूर्व तैयारी, सतत निगरानी एवं त्वरित समन्वय किया जाए, जिससे यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने विशेष रूप से सिंहस्थ-2028 के आयोजन को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक सुरक्षा रणनीति तैयार करने पर बल दिया। बैठक में रेलवे के सुगम एवं सुरक्षित संचालन के लिए सभी संबंधित स्टेकहोल्डर्स के मध्य समन्वय बनाने को कहा गया। साथ ही रेलवे परिक्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, रेलवे ट्रैक को अवरोधमुक्त रखने, भीड़ नियंत्रण, यात्रियों की सुरक्षा, महिला एवं वरिष्ठ नागरिक सुरक्षा, अपराधों की रोकथाम, संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी और संवेदनशील स्टेशनों पर सुरक्षा प्रबंधन जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त आगामी सिंहस्थ 2028 को दृष्टिगत रखते हुए रेल यातायात, यात्री दबाव, अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन, स्टेशन प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, आपदा प्रतिक्रिया व्यवस्था तथा बहु-एजेंसी समन्वय की प्रारंभिक रूपरेखा पर भी विचार किया गया।

मंदिर में हुआ हनुमान चालीसा पाठ, 'विजय मंत्र' से मिटा भय

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

सैनिक कॉलोनी स्थित नुक्कड़ वाली माता मंदिर में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ किया गया। जय हनुमान ज्ञान गुण सागर... की गूंज के साथ भक्तों ने आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया और सामूहिक रूप से नकारात्मकता के नाश का संकल्प लिया।

इस मौके पर आचार्य पंडित रवि पटेरिया ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित यह 40 चौपाइयां केवल भक्ति नहीं, बल्कि शक्ति का पुंज हैं। कलियुग में मानसिक बल और आत्मविश्वास जागृत करने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ सबसे अचूक साधन है। इसके आध्यात्मिक कंपन से न केवल भय मिटता है, बल्कि व्यक्ति के भीतर साहस का संचार होता है। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कार स्कूल के सचिव बसंत चेलानी और भाजपा नेता बबलू चावला ने मुख्य यजमान के रूप में दीप प्रज्ज्वलित कर किया। चालीसा पाठ में त्रिलोकयानी अध्यक्ष, विश्व हिंदू परिषद, भूपेंद्र सिंह गुर्जर जिला उपाध्यक्ष, जीतू कटारिया सह-मंत्री व कमल मनसुकनी, मुकेश सूर्यवंशी, विष्णु प्रसाद बाथम, एडवोकेट बृज किशोर सेन मौजूद रहे।

महेन्द्र सिंह यादव ने संभाला अपेक्स बैंक के नए प्रशासक का पदभार

नगायच ने भी संभाली वेयर हाउसिंग की जिम्मेदारी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अपेक्स बैंक के नव नियुक्त प्रशासक महेन्द्र सिंह यादव और मप्र वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष संजय नगायच ने पदभार ग्रहण किए। महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि मैंने पं. दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके सिद्धांतों से प्रेरणा लेकर सेवा करने का संकल्प लिया है। मैं अपैक्स बैंक की कार्यप्रणाली को समझकर मध्यप्रदेश के उन्नति के लिए कार्य करूंगा। सहकारी बैंकों के जरिये सहकारिता के क्षेत्र को और सशक्त बनाने के साथ किसानों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने का

प्रयास करूंगा। सहकारिता के जरिये मध्यप्रदेश के किसानों को समृद्ध बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जायेगा। मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन के नव नियुक्त अध्यक्ष संजय नगायच ने कहा कि किसानों से जुड़े कार्यों को पहली प्राथमिकता के साथ हल किया जाएगा। अपेक्स बैंक के कार्यक्रम में मंत्री विश्वास सारंग, प्रद्युम्न सिंह तोमर, मंत्री कृष्णा गौर, प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरूआ, रणबीर सिंह रावत, विधायक भगवानदास सबनानी पूर्व महामंत्री जगदीश यादव, दिलीप कुकरेजा, रणजीत सिंह, अशोक कुकरेजा सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एम्स भोपाल की टीम वोकां सम्मेलन में हुई शामिल

अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किए शोध

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एम्स भोपाल के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. पंकज प्रसाद और डॉ. दीप्ति डाबर ने फिलीपींस में आयोजित (वर्ल्ड ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ़ फैमिली डॉक्टर्स) एशिया पैसिफिक क्षेत्रीय सम्मेलन 2026 में हिस्सा लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने शोध प्रस्तुत किए।यह सम्मेलन 25 से 27 मार्च 2026 के दौरान इलोइलो सिटी में आयोजित हुआ, जिसमें विभिन्न देशों के जनस्वास्थ्य और प्राथमिक चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन में डॉ. पंकज प्रसाद ने 'मध्य भारत की जनजातीय आबादी में सर्पदंश पीड़ितों के बीच उपचार प्राप्त करने की प्रवृत्ति' विषय पर आईसीएमआर वित्तपोषित शोध प्रस्तुत किया। वहीं, डॉ. दीप्ति डाबर ने 'भारत में मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता स्केल का हिंदी में अंतर-सांस्कृतिक अनुकूलन और प्रमाणीकरण' विषय

पर अपना अध्ययन साझा किया। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर भागीदारी ने एम्स भोपाल की उच्च गुणवत्ता वाले शोध, सामुदायिक सहभागिता और जनस्वास्थ्य नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया है।

बाल अभिव्यक्ति समर कैंप कल से

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्कूल में ग्रीष्मकालीन समर कैंप बाल अभिव्यक्ति शिविर का आयोजन एक मई से किया जा रहा है, जिसमें बच्चों को शारीरिक स्वस्थता की गतिविधियों के साथ विभिन्न तरीके के प्रशिक्षण दिए जाएंगे। विद्यालय के महासचिव कन्हैयालाल रामनानी ने बताया कि अक्सर ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान विद्यार्थी घर पर टीवी, मोबाइल व सोने में अपना समय व्यतीत करते हैं। उनकी ऊर्जा का सही उपयोग करने और उन्हें रचनात्मक बनाने के लिए इस शिविर का आयोजन किया गया है। अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं का ज्ञान दिया जाएगा। शिविर में प्रतिदिन सुबह 7 बजे से योग क्लास और खेलकूद की गतिविधियां होंगी। स्कूल के मैदान में छात्र-छात्राओं के लिए खो-खो, वॉलीबॉल, कबड्डी, फुटबॉल और बैडमिंटन जैसे खेलों के लिए कोच की व्यवस्था की गई है। खेलों के पश्चात पुस्तकालय की व्यवस्था भी है।

मेट्रो एंकर हमीदिया अस्पताल ने लॉन्च किया ऑर्थो रिहैब ऐप

डिजिटल दौर में गलत हेल्थ टिप्स से बचाना लक्ष्य ऑपरेशन के बाद मरीजों को कराई जाएगी एक्सरसाइज

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

डिजिटल दौर में इंटरनेट और सोशल मीडिया पर हेल्थ से जुड़ी ढेरों जानकारी उपलब्ध है, लेकिन इनमें से बड़ी संख्या में कंटेंट भ्रामक या अधूरा होता है। कई मरीज ऑपरेशन या इलाज के बाद इन्हीं गलत टिप्स के आधार पर एक्सरसाइज और उपचार शुरू कर देते हैं, जिससे उनकी स्थिति बिगड़ने का खतरा बढ़ जाता है।

इसी को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों का फोकस अब मरीजों को गलत इलाज से बचाने पर फोकस कर रहे हैं। इसी दिशा में राजधानी के हमीदिया अस्पताल ने आर्थो रिहैब एप तैयार किया है। ऑर्थोपेडिक विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष गोहिया ने कहा कि इस एप का

उद्देश्य ऑपरेशन के बाद मरीजों को सामान्य और सही जानकारी देना है, ताकि वे घर पर भी एक्सरसाइज और चिकित्सीय सलाहों का सही तरीके से पालन कर सकें।

सोशल मीडिया के भरोसे इलाज खतरा

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध जानकारी हर किसी के लिए एक जैसी होती है, जबकि हर मरीज की स्थिति अलग होती है। ऐसे में एक ही तरह की एक्सरसाइज सभी पर लागू नहीं होती। कई मामलों में देखा गया है कि मरीज गलत तरीके से एक्सरसाइज करने के कारण और ज्यादा चोटिल हो गए या उनकी रिकवरी में देरी हुई। यही वजह है कि विशेषज्ञ लंबे समय से प्रमाणिक और पर्सनलाइज्ड गाइडेंस की जरूरत महसूस कर रहे थे। डॉ. त्रिपाठी के अनुसार, सड़क दुर्घटना या अन्य गंभीर मामलों में ऑपरेशन के बाद मरीजों को लंबे समय तक एक्सरसाइज करनी होती है। अस्पताल में दी गई सलाह मरीज घर जाकर भूल जाते हैं और कई बार गलत तरीके अपनाते हैं। इस एप के जरिए उन्हें हर समय सही मार्गदर्शन मिलता रहेगा।

डॉक्टरों ने तैयार किया वैज्ञानिक समाधान

गांधी मेडिकल कॉलेज के डॉ. सुदीप त्रिपाठी ने 'आर्थो रिहैब एप' विकसित किया है। ये एप खासतौर पर उन मरीजों के लिए तैयार किया है, जिनका हड्डी से जुड़ा ऑपरेशन हुआ है। इसमें 200 से अधिक सर्जरी से संबंधित जानकारी, एक्सरसाइज और देखभाल के तरीके वीडियो, ऑडियो व टेक्स्ट फॉर्मेट में शामिल हैं। एप की खास बात यह है कि इसमें मरीज खुद से लॉगिन नहीं कर सकता। ऑपरेशन के बाद डॉक्टर ही मरीज का रजिस्ट्रेशन करते हैं और उसकी सर्जरी के अनुसार जरूरी जानकारी अपलोड करते हैं।

उज्जैन में फूलों की खेती को मिलेगा बढ़ावा, फ्लोरीकल्चर सेंटर बनाएंगे

मसाला फसलों के उत्पादन में हम अव्वल, उद्यानिकी फसलों के रकबे का विस्तार किया जाए : मुख्यमंत्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उद्यानिकी फसलें छोटी जगह से बड़ी कमाई करने का प्रभावी माध्यम है। प्रदेश के अधिकाधिक किसानों को इससे जोड़ा जाये। किसानों को सीज़नल और उद्यानिकी फसलों के उत्पादन के लिए प्राकृतिक खाद का उपयोग कर जैविक खेती से जुड़ने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। उद्यानिकी फसलों के माध्यम से किसानों की वास्तविक आय बढ़ाई जाए।

सीएम ने उद्यानिकी पर आधारित मीटिंग में कहा कि किसानों की आय वृद्धि और उनके जीवन में खुशहाली लाने के लिये योजनाबद्ध तरीके से उद्यानिकी फसलों और इनके जोत रकबे का साल-दर-साल विस्तार किया जाए। उन्होंने कहा कि हमारी उद्यानिकी एवं मसाला फसलों की अंतर्राष्ट्रीय मांग बढ़ रही है। इसकी पूर्ति के लिए बाजार तलाशें, उद्यानिकी उत्पादों की भरपूर ब्रांडिंग करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे यहां औषधीय गुणों से भरपूर फसलों की खेती भी बहुतायत में की जाती है। इनकी बड़ी संभावनाएँ है। औषधि निर्माण के लिए जरूरी इन फसलों की इन्टरनेशनल मार्केट में मांग अनुसार आपूर्ति के लिए पूरी सप्लाई चेन तैयार की जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में हर साल नये-नये आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं अस्पताल खोले जा रहे हैं। इनमें देशी/आयुर्वेदिक दवाईयों की आपूर्ति में प्रदेश की औषधीय फसलों एवं उप-उत्पादों का भरपूर उपयोग किया जाए।

दुनिया में मिलेगी मप्र की उद्यानिकी फसलों को पहचान

बैठक में बताया गया गया कि वर्ष 2030 तक उद्यानिकी क्षेत्र का रकबा 30 लाख हेक्टेयर तक पहुंच जाएगा। बागवानी फसलों के उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देने के लिएप्रदेश में हॉर्टिकल्चर प्रमोशन एजेंसी की स्थापना करने की कार्रवाई जारी है। मध्यप्रदेश के उद्यानिकी उत्पादों को दुनिया में पहचाना जाएगा। इसके लिए जी आई टैग दिलवाने की प्रक्रिया जारी है। विशेष रूप से जबलपुरी मटर, गुना का कुंभराज धनिया, बुरहानपुर का केला, रतलाम का रियावन लहसुन, खरगोन की मिर्च, इंदौर का मालवी आलू, बरमन भटा, छतरपुर का पान जैसे उद्यानिकी उत्पादों को जल्दी ही विशिष्ट भौगोलिक पहचान मिल जाएगी।

मध्यप्रदेश में हो रही मखाना की खेती, इस साल और बढ़ाएंगे रकबा

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में मखाना की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। मखाना क्षेत्र विस्तार योजना के तहत प्रदेश के 14 जिलों यथा नर्मदापुरम, सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा, जबलपुर, कटनी, मंडला, डिंडोरी, रीवा, शहडोल, रायसेन, अनूपपुर, पन्ना एवं सतना में मखाना उत्पादन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। मखाना उत्पादन का रकबा इस वर्ष बढ़ाकर 85.00 हैक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्र सरकार द्वारा मखाना उत्पादन की कुल परियोजना लागत (एक इकाई) पर 40 प्रतिशत तक की अनुदान सहायता दी जाती है।

जून में भोपाल में होगा आम महोत्सव

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में इसी वर्ष जून माह में भोपाल में आम महोत्सव, जुलाई में खरगौन में मिर्च महोत्सव, सितम्बर में बुरहानपुर में केला महोत्सव, अक्टूबर में इंदौर में सब्जी महोत्सव, नवम्बर में ग्वालियर में अमरूद महोत्सव मनाया जाएगा। साथ ही दिसंबर में ग्वालियर में मधुमक्खी पालन व्यवसाय के प्रोत्साहन एवं जागरूकता के लिए एक कार्यशाला/सेमिनार भी आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय अधिकारियों को संतरा महोत्सव भी आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम महोत्सव के दौरान प्रदेश के सभी 10 संभागों में आम के 10 बाग लगाने के प्रयास किए जाएं। केला महोत्सव में केले के तने से रेशे बनाने वाले उद्यमियों/उद्योगपतियों को जोड़ा जाये।

कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर समयबद्ध क्रियान्वयन करें सुनिश्चित : राजेंद्र शुक्ल

रीवा शहर में जल प्रदाय योजना एवं सीवरेज सिस्टम कार्यों की समीक्षा बैठक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में रीवा शहर में संचालित जल प्रदाय योजना एवं सीवरेज सिस्टम से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता, समय-सीमा तथा वित्तीय प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएँ, ताकि आम नागरिकों को समय पर सुविधाओं का लाभ मिल सके। बैठक में अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री संजय दुबे, आयुक्त श्री संकेत भोंडवे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जल प्रदाय व्यवस्था के शेष सभी कार्य, विशेषकर ओवरहेड वाटर टैंक के निर्माण एवं जल वितरण नेटवर्क का विस्तार, आगामी वर्षा ऋतु से पहले हर स्थिति में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों के दौरान नागरिकों की दैनिक जीवनचर्या प्रभावित न हो, इसके लिए कार्यों को सुनियोजित एवं चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जाए। आमजन की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर उन्होंने बल दिया। सीवरेज सिस्टम की समीक्षा करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने शेष पाइपलाइन बिछाने के कार्य तथा हाउस सर्विस कनेक्शनों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीवरेज नेटवर्क का समय पर पूर्ण होना शहरी स्वच्छता एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है, अतः इसमें किसी प्रकार की देरी न हो। उन्होंने एसटीपी निर्माण कार्य को भी प्राथमिकता से पूर्ण करने के लिए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

कॉलेज चलो अभियान का दूसरा चरण प्रारंभ

उच्च शिक्षा विभाग ने जारी किए दिशा निर्देश, विद्यार्थियों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन और टोल फ्री नंबर जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में विद्यार्थियों को महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए प्रेरित करने के लिए कॉलेज चलो अभियान का दूसरा चरण चलाया जा रहा है। विभाग द्वारा इस संबंध में दिशा निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य अधिकतम पात्र विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ना तथा प्रवेश प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं छात्र हितैषी बनाना है। विभाग द्वारा जारी किए गए निर्देश अनुसार सभी महाविद्यालयों में प्रवेश सहायता केन्द्र स्थापित किए जाएंगे। कक्षा 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों से संपर्क कर उनका पंजीयन सुनिश्चित किया जाएगा। एनसीसी/एनएसएस के सहयोग से ड्रॉप-आउट विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें पुनः शिक्षा से जोड़ने के प्रयास किए जाएंगे। इसके साथ ही विकासखंड स्तर पर प्रवेश मेले आयोजित किए जाएंगे तथा ई प्रवेश ऐप व पोर्टल के माध्यम से पंजीयन को बढ़ावा दिया जाएगा। साथ ही, छात्राओं एवं कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। विभाग की यह पहल अधिकाधिक विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए महाविद्यालयीन प्रवेश प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं छात्र हितैषी बनाने के लिए जिला स्तरीय प्रवेश नोडल अधिकारियों को समन्वय संबंधी निर्देश जारी किए गए हैं। निर्देशों के तहत विद्यार्थियों को प्रत्येक चरण में समयबद्ध मार्गदर्शन, तकनीकी सहायता एवं आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही महाविद्यालयों के बीच बेहतर समन्वय से प्रवेश प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित किया जाएगा।

घटिया निर्माण पर बिफरे मंत्री सारंग, बोले-ये बड़ी लापरवाही

गौतमनगर से गुजर रहे थे सारंग, इंजीनियर को फटकार लगाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल के गौतम नगर में चल रहे घटिया निर्माण कार्य पर मंत्री विश्वास सारंग बिफर पड़े। उन्होंने प्रभारी उप यंत्री को मौके पर ही फटकार लगाई। कहा कि ये बड़ी लापरवाही है। क्या ऐसे काम होता है?

दरअसल, वार्ड-58 स्थित गौतम नगर में सड़क किनारे कुछ फीट ऊपर तक बाउंड्रीवॉल उठाई जा रही है। बुधवार को मजदूर काम में लगे थे। इसी दौरान दोपहर 1.30 बजे मंत्री सारंग का वहां से गुजरना हुआ और मामला सामने आ गया।

उप यंत्री को फटकार लगाई

सड़क किनारे चल रहे निर्माण कार्य को देखते ही मंत्री सारंग का गुस्सा फूट पड़ा। जो बाउंड्रीवॉल बनाई जा रही है, उसका बैस मजबूत नहीं बनाया जा रहा था। इसलिए उन्होंने जिम्मेदारों की मौके पर ही क्लास लगा दी। प्रभारी उप यंत्री नितिन खरे से कहा कि काम में लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं होगी। मंत्री ने गुणवत्ता में तुरंत सुधार करने के निर्देश दिए।

अब अचानक दौरा करेंगे मंत्री

जानकारी के अनुसार, मंत्री ने नरेला विधानसभा में चल रहे अन्य कार्यों को लेकर भी सख्ती दिखाई है। निर्माण कार्य का वे खुद निरीक्षण करेंगे।

भोपाल नगर निगम की कचरा गाड़ियों का महंगा शोर, 16 लाख फूंके

अब 900 नए स्पीकर खरीदने की तैयारी, जनता बोली- बस भी करो

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल को साफ-सुथरा बनाने का जिम्मा उठाने वाली नगर निगम अब शहर को शोर की राजधानी बनाने पर तुली है। अभी एक साल भी नहीं बीता जब निगम ने कचरा गाड़ियों पर लाउडस्पीकर लगाने के लिए 16 लाख रुपये बहा दिए थे, लेकिन अब स्वच्छता भारत मिशन के नाम पर करीब 900 नए ऑडियो सिस्टम खरीदने की तैयारी है। निगम का तर्क है कि इससे जागरूकता बढ़ेगी, लेकिन भोपाल की जनता पूछ रही है, क्या शोर मचाने से ही शहर साफ होगा?

हूटर्स ने छीना सुकून

निगम के इस फैसले पर शहर के रिहायशी इलाकों में गुस्सा है। सिंधी कॉलोनी के निवासी राजेश कहते हैं, हमें दिन के बेवक़्त बजने वाले इन हूटर्स की जरूरत नहीं है। शोर भी एक तरह का प्रदूषण है। नगर निगम समाधान ढूंढने के बजाय और अधिक शोर पैदा कर रहा है। लोगों का कहना है कि सुबह-सुबह बजने वाले तेज संगीत और हूटर्स ने बुजुर्गों और बच्चों का सुकून छीन लिया है। वरिष्ठ अधिकारी, भोपाल नगर निगम ने कहा ये सिस्टम हमें नागरिकों को कचरा अलग करने और स्वच्छता बनाए रखने की याद दिलाने में मदद करते हैं। जागरूकता अभियानों को मजबूत करने के लिए यह उपकरण जरूरी हैं।

परिषद की बैठक में मचेगा 'हंगामा'

इस खरीद को लेकर निगम के भीतर भी असंतोष के सुर हैं। कई पार्षदों ने सवाल उठाया है कि जब पिछला निवेश (16 लाख रुपये) अभी तक अपनी उपयोगिता साबित नहीं कर पाया, तो फिर से जनता के पैसे को स्पीकर्स पर क्यों खर्च किया जा रहा है? अगली परिषद बैठक में विपक्ष इस मुद्दे पर महापौर और अधिकारियों को घेरने की पूरी रणनीति बना चुका है।

बिजली बिल से परेशान निकायों को राहत देने प्लान

भोपाल। प्रदेश में नगरीय निकायों को मिलने वाली भारी भरकम बिजली बिल से बचाव के लिए अब नगरीय विकास और आ?वास विभाग 220 मेगावाट का एमपी अर्बन कैप्टिव सोलर प्लांट लगाने की तैयारी में है। इसके लिए सभी दस संभागों के 184 नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषदों का चयन किया गया है। योजना में निकायों की हिस्सेदारी के लिए एक स्पेशल परपज वीकल बनाया जाएगा। जिसमें निकायों की हिस्सेदारी विद्युत नियामक आयोग द्वारा तय शर्तों के आधार पर घोषित की जाएगी। नगरीय आवास और विकास विभाग द्वारा संबंधित नगर निगमों के आयुक्त और नगरपालिका, नगर परिषद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को लिखे पत्र में कहा गया है कि प्रदेश में शहरवासियों को पानी, बिजली, जल मल निकासी, स्वच्छता और सड़क की सुविधा देने के लिए खपत होने वाली बिजली के बिल नगरीय निकायों पर भारी पड़ रहे हैं।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन इस विश्वास का अंतरण है कि सरकार हर घड़ी जरूरतमंदों के साथ है : मुख्यमंत्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा समाज के सभी निर्धन, निराश्रित, वृद्धजनों, कल्याणी, परित्यक्ता, अविवाहिता एवं दिव्यांगजनों के कल्याण एवं आर्थिक सहायता के लिए विभिन्न प्रकार की पेंशन योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दी जाने वाली यह सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, यह सरकार के उस विश्वास का अंतरण है, जो इस बात का प्रतीक है कि सरकार हर परिस्थिति में हर घड़ी जरूरतमंदों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मंत्रालय से समग्र पेंशन योजना के तहत प्रदेश के 33 लाख 45 हजार 231 हितग्राहियों के बैंक खातों में मार्च पेड अप्रैल की 200 करोड़ 71 लाख रुपये की पेंशन राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

रानी की जगह रजनी, पूनम की जगह पूजा

बाबू ने आंगनबाड़ी भर्ती में किया खेल कलेक्टर ने ऑन स्पॉट लिया एक्शन एफआईआर दर्ज, निलंबित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जिला कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में मंगलवार को उस वक्त सन्नाटा पसर गया जब कलेक्टर किशोर कन्याल ने एक बाबू की फाइल में की गई लिखा-पढ़ी की जादूगरी पकड़ ली। यह मामला सिर्फ लापरवाही का नहीं, बल्कि पात्र महिलाओं के हक पर डाका डालने की एक सुनियोजित साजिश का था। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका भर्ती में मेरिट में टॉप करने वाली महिलाओं की जगह अपात्रों को घुसाने के लिए फाइलों में नाम बदले जा रहे थे। कलेक्टर ने मौके पर ही जांच के आदेश दिए और दोषी बाबू विजय कुमार मेहरा को तत्काल सस्पेंड कर एफआईआर दर्ज कराने को कहा।

रानी की जगह रजनी... ऐसे रचा गया सिंडिकेट-धोखाधड़ी का यह खेल बेहद शातिराना था। मधुसूदनगढ़ की रानी सेन का चयन मेरिट के आधार पर सहायिका पद के लिए हुआ था, लेकिन विभाग के बाबू विजय कुमार मेहरा ने नस्ती में उसका नाम बदलकर रजनी सेन कर दिया। इसी तरह राघौगढ़ में पूजा कुशवाह का नाम बदलकर पूनम कुशवाह कर अनुमोदन के लिए भेज दिया गया। मकसद साफ था, अक्षरों का मामूली हेरफेर कर अपात्रों को नियुक्ति पत्र थमाना और इसके बदले दलालों के जरिए बड़ी रकम डकारना।

दलाल मांग रहे थे पैसे, जनसुनवाई में खुली पोल

पीड़ित महिला रानी सेन ने बताया कि उसे दो महीने से गुमराह किया जा रहा था। दलाल उससे नियुक्ति पत्र के बदले पैसों की मांग कर रहे थे। जब वह तंग आकर जनसुनवाई में कलेक्टर के पास पहुंची, तब पता चला कि सरकारी फाइल में तो उसका अस्तित्व ही मिटाने की कोशिश की गई है। कलेक्टर कन्याल ने जब रिकॉर्ड खंगाला, तो बाबू की जालसाजी सामने आ गई।

सीपीसीटी में भी की थी धोखाधड़ी

निलंबित बाबू विजय कुमार मेहरा पहले से ही रडार पर थे। अनुकंपा नियुक्ति के नियम के तहत उन्हें 3 साल में सीपीसीटी (कंप्यूटर दक्षता परीक्षा) पास करनी थी, लेकिन 2019 से लेकर 2025 तक कई नोटिस मिलने के बाद भी उन्होंने लापरवाही बरती।

कलेक्टर की अपीलः दलालों से रहें सावधान

कलेक्टर किशोर कन्याल ने न केवल दोषी को सजा दी, बल्कि मंच से ही पीड़िता रानी सेन को उसका नियुक्ति पत्र सौंपकर न्याय किया। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि आज के दौर में सभी भर्तियां ऑनलाइन और पारदर्शी हैं।

अतिथि शिक्षकों का प्रदर्शन, सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप

नियमितीकरण, बोनस अंक और वार्षिक अनुबंध की मांग नहीं मानी तो आंदोलन तेज करने की चेतावनी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अतिथि शिक्षक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले प्रदेशभर से आए हजारों अतिथि शिक्षकों ने बुधवार को भोपाल में सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में प्रदर्शन किया। आंदोलन के दौरान शिक्षकों ने एकजुट होकर अपनी लंबित मांगों को पूरा करने की मांग उठाई और चेतावनी दी कि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले राज्य सरकार ने अतिथि शिक्षकों के लिए गुरुजियों की तर्ज पर नीति लागू करने, सीधी भर्ती में बोनस अंक देने और वार्षिक अनुबंध के माध्यम से भविष्य सुरक्षित करने का वादा किया था, लेकिन अब तक इन पर कोई अमल नहीं हुआ है। इससे शिक्षकों में भारी आक्रोश है।

उन्होंने यह भी कहा कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी अतिथि शिक्षकों को न्याय दिलाने का भरोसा दिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया।

अपनी ही बात से मुकर रही है सरकार

वरिष्ठ पदाधिकारी रामचंद्र नागर और प्रदेश अध्यक्ष के.सी. पवार ने आरोप लगाया कि सरकार वार्षिक अनुबंध के अपने वादे से पीछे हट रही है। इसके चलते 30 अप्रैल के बाद करीब सवा लाख अतिथि शिक्षकों के बेरोजगार होने का खतरा है। उन्होंने मांग की कि सीधी भर्ती, प्रमोशन और ट्रांसफर से प्रभावित अनुभवी अतिथि शिक्षकों को रिक्त पदों पर प्राथमिकता से समायोजित किया जाए। प्रदेश सचिव रविकांत गुप्ता ने ई-अटेंडेंस प्रणाली में आ रही तकनीकी दिक्कतों को तत्काल दूर करने की मांग की। उन्होंने बताया कि कई बार तकनीकी कारणों से उपस्थिति दर्ज नहीं हो पाती, जिससे मानदेय कट जाता है और कुछ मामलों में सितंबर माह का भुगतान भी लंबित है। बी.एम. खान ने भर्ती प्रक्रिया की विसंगतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि 2008 से कार्यरत अतिथि शिक्षकों को उनके अनुभव का पूरा लाभ नहीं मिल रहा है। स्कोर कार्ड में केवल 5 साल का अनुभव जोड़ा जा रहा है, जबकि इसे बढ़ाकर हर साल 10 अंक (अधिकतम 100 अंक) किया जाना चाहिए। साथ ही 2008 और 2011 की पात्रता परीक्षाओं के अंक भी जोड़े जाने चाहिए। प्रांत अध्यक्ष तूफान शर्मा ने कहा कि अतिथि शिक्षक सभी जरूरी योग्यता पूरी करते हैं, इसलिए उनके अनुभव के आधार पर न्याय होना चाहिए।

लोकतंत्र के लिए सुखद संकेत

पांच राज्यों में मतदान के बाद लोकतंत्र के लिए बेहद सुखद संकेत और रुझान है कि इस बार मतदान के आंकड़ों ने नए कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं। आजकल 60-70 फीसदी मतदान हो जाए, तो राजनीतिक दल और नेतागण राहत की सांस लेते हैं। बंगाल के इस बार के मतदान पर खुलासा हुआ है कि आजादी के बाद देश में सबसे अधिक मतदान है, तो 1967 के बाद पहली बार तमिलनाडु में इतना अधिक मतदान किया गया है। जाहिर है कि अतीत के तमाम कीर्तिमान बौने हो गए हैं और लोकतंत्र की निर्णायक भागीदारी ने नए मील-पत्थर गाड़ दिए हैं। ये मतदान इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि बंगाल में कुल 91 लाख से अधिक और तमिलनाडु में 57 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए, काट दिए गए थे। अब भी लाखों के मताधिकार अधर में लटके हैं। एसआईआर का खौफ और भय था, ऐसी आशंकाएं भी जताई जा रही थीं कि यदि वोट नहीं देंगे, तो अंततः नागरिकता भी जा सकती है! यहां हम स्पष्ट बता दें कि न तो संविधान में ऐसा कोई प्रावधान है और न ही देश का कानून है कि वोट न देने से नागरिकता रद्द की जा सकती है। बंपर मतदान की व्याख्याएं शुरू हो गई हैं। कुछ पेशेवर चुनावी पंडित 'शर्तिया विश्लेषण' करने में जुटे हैं कि भाजपा कुल मिला कर 150-160 सीटें जीत रही है, नतीजतन ममता की 15 साल पुरानी सत्ता ढह रही है और भाजपा की सरकार बन रही है। यह दावा प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक जनसभा में किया था कि इस बार कई जिलों में तृणमूल कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलेगा। बंगाल और भाजपा के दरमियान चारित्रिक और सांस्कृतिक फासले आज भी हैं। बहरहाल ममता बनर्जी चुनाव हारती हैं, तो एसआईआर के कारण नहीं, बल्कि महिला मतदाताओं के कम वोट के कारण हारेंगी। बेशक मतदान का दिन कई 'मुक्त' के साथ बीता है, लेकिन बंगाल 'हिंसा-मुक्त' नहीं हो पाया। मुर्शिदाबाद इलाके में निवर्तमान विधायक हुमायूं कबीर के वाहन पर पथराव हुआ। उनके साथ हाथापाई भी हुई। इसी तरह कुमारगंज में भाजपा उम्मीदवार सुवेन्दु सरकार को लोगों ने भगा-भगा कर पीटा। एक पुलिसिया अंगरक्षक इतनी भीड़ के मुक्के-थप्पड़ों को कैसे रोक सकता था। भाजपा प्रत्याशी ने गली-गली, खेतों से भाग कर जान बचाई। कहां थी 2.40 लाख सुरक्षा बलों के जवानों की सुरक्षा! 2024 में पूरे देश में लोकसभा चुनाव के दौरान कुल 3.4 लाख जवान तैनात किए गए थे। इस बार बंगाल में ही 2.40 लाख जवान और फिर भी पत्थर, बम, लाठी और पिटाई सब कुछ हुआ। गनीमत है कि अभी तक मौत के आंकड़े सुनाई नहीं दिए।

नृसिंह जयंती पर विशेष

भगवान् श्री नृसिंह प्राकट्योत्सव, अहंकार की पृष्ठभूमि पर लिखी गई सर्वनाश की परिभाषा

उमेश चंद्र शर्मा
स्तंभकार

भगवान् के अपने ही सेवक अहंकार के वशीभूत होकर जब अनाधिकार चेष्टा एवं अमर्यादित आचरण करते हुए, सिद्ध महात्माओं को अपमानित करने लगते हैं और प्रभु दर्शन में बाधक बन जाते हैं, तब भगवान् श्री हरि दंडस्वरूप उन्हें शापित करवाकर और उनकी अहंकार मूलक मनोवृत्ति का नाश कर उनके अंतःकरण को निर्मल स्वरूप प्रदान करते हैं किंतु भगवान् द्वारा किए गए ऐसे दंड विधान के मूल में भी उनकी कृपा ही छिपी होती है, जिसे प्राप्त कर जीव कृतकृत्य हो जाता है।

स्वयं प्रकाश परमात्मा जिनके पावन नामों का उच्चारण करने वाला पुरुष सनातन मोक्ष पद को प्राप्त हो जाता है, वे ही पुराण पुरुषोत्तम भगवान् सम्पूर्ण विश्व के आत्मा, विश्व स्वरूप और सबके स्वामी हैं, वे अपने प्रेमी भक्तों को आत्मा का दिव्य आनंद प्रदान करने एवं दूषित वृत्तियों के विनाश हेतु कभी श्रीराम, श्रीकृष्ण और कभी नृसिंह रुप में इस धरा धाम पर प्रकट होकर जहां अपने निजजनों को प्रेमानंद प्रदान करते हैं, वहीं पाशविक वृत्तियों का नाश कर धर्म राज्य की स्थापना करते हुए जनमानस को निर्भयता प्रदान करते हैं।

दैत्यराज हिरण्यकशिपु ने ब्रह्माजी से दुर्लभ वरदान प्राप्त कर सप्त द्वीपों के अखंड राज्य सहित इन्द्रासन पर अधिकार प्राप्त कर लिया तथा समस्त लोकों को जीतकर वह दिग्विजयी दैत्यराज सबका एकछत्र सम्राट बनकर स्वच्छंदता पूर्वक विषयों का भोग करते हुए और स्वयं को ईश्वर घोषित कर धर्म पथिकों पर अत्याचार करने लगा, परिणामस्वरूप उसकी आतंकपूर्ण, निरंकुश एवं स्वैच्छाचारी वृत्तियों से मृत्युलोक सहित अन्य सभी लोक भयाक्रांत हो गए और सब तरफ हाहाकार मचने लगा किंतु जब अपनी पापमयी कुत्सित वृत्तियों से वह देवता, वेद, गाय, ब्राह्मण, साधु और धर्म को अपमानित तथा भगवान् से द्वैष करने लगा, तब वरदान जनित शक्ति से संपन्न उस आतंकवादी योद्धा का भगवान् नृसिंह द्वारा वध कर दिया गया।

दैत्यराज हिरण्यकश्यपु के अत्याचार, आतंक और स्वैच्छाचारिता के मूल में अहंकार वश की गई अनाधिकार चेष्टा के साथ ही सेवक धर्म की अवहेलना से उपजा यथार्थ भी था, जिसके परिणामस्वरूप प्रभु प्रेरित होकर सनकादि मुनियों ने प्रभु के दो सेवकों जय और विजय को दैत्य कुल में जन्म लेने का श्राप दिया था। सनकादिकों से शापित जय विजय ही दैत्यों के कुल में हिरण्याक्ष और हिरण्यकशिपु के रूप में जन्में और दैत्य समुदाय से मसीहा के रूप में सम्मानित हो गए किंतु उनकी अहंकारी वृत्ति ने अंततः उन्हें पराभव की स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया। दैत्याधिपति हिरण्यकशिपु विकट तपोसाधना के बल पर भगवान् ब्रह्माजी से दुर्लभ वरदान प्राप्त करने में तो सफल हुआ किंतु वह वरदान लोक हितार्थ नहीं होकर अपने अहंकार की परिपुष्टि करने वाले थे इसलिए वे अंततः उसके विनाश का ही कारण बने।

भगवान् कभी किसी को मारते नहीं बल्कि उसके लोक निंदित कर्मों के लिए उचित दंड विधान सुनिश्चित कर उसे स्वधर्म पालन की ओर अग्रसर करते हैं, वे अपने निज जनों को भी उनके द्वारा किए गए अपराधों के लिए उन्हें क्षमा नहीं करते हैं बल्कि दंड के माध्यम से उन्हें अपनी भूल का एहसास कराते हुए उनकी दोषपूर्ण वृत्तियों का नाश कर उनके हृदय को निर्मल स्वरूप प्रदान करते हैं। इस तरह भगवान् के ऐसे दंड विधान में भी उनके निजजनों का सर्वतोमुखी हित ही समाहित होता है। यही कारण था कि भगवान् श्री विष्णु के सेवकों जय और विजय द्वारा जब सनकादि मुनियों के प्रति उद्दंडतापूर्वक एवं अमर्यादित व्यवहार किया गया तो उन्हें उन महात्माओं द्वारा ही शापित कराकर वैकुंठ लोक से निष्कासित किया गया। जय विजय का हिरण्यकशिपु और हिरण्याक्ष के दैत्य कुल में जन्म ग्रहण करना तथा उनके द्वारा निंदनीय कर्मों के बाद नियत समय में उनकी वैकुंठ वापसी प्रभु कृपा की अप्रतिम मिसाल है। भगवान् विष्णु के इस अवतार के मूल में केवल प्रह्लाद की रक्षा ही नहीं थी बल्कि उनकी दिव्य प्रेमा भक्ति, प्रभु के प्रति सर्वस्व समर्पण और अटूट आस्था भी थी, जिसके वशीभूत होकर भगवान् श्री हरि विष्णु को अवतार लेने हेतु बाध्य होना पड़ा। भगवान् नृसिंह के प्राकट्य होने और हिरण्यकशिपु के पराभव ने इस बात को रेखांकित किया है कि सत्ता के अहंकार में लिप्त होकर लोकजीवन को आतंकित एवं भयाक्रांत करने वाले निरंकुश, अत्याचारी और दुष्ट शासक का अंत सुनिश्चित है। ब्रह्मा के वरदान से आत्ममुग्ध हुआ महाबली हिरण्यकशिपु भयाक्रांत कर देने वाले अपने शासन में आतंक, अत्याचार और उत्पीड़न की नित नई परिभाषाएं लिखने लगा, परिणामस्वरूप उसकी प्रजा दुःख, ग्लानि एवं अवसाद से भर गई और पृथ्वी सहित तीनों लोकों में हाहाकार मच गया किंतु उस वक्त उस दुष्ट के अत्याचार, धर्म की सभी सीमा रेखाओं को लांघ गए, जब अहंकार के मद में वह अपने ही भगवद् परायण पुत्र और भगवान् के प्रिय भक्त प्रह्लाद को मौत के घाट उतारने हेतु उद्यत हो गया, तब भगवान् श्री विष्णु खंब तोड़ कर नृसिंह रुप में प्रकट हुए और दैत्यराज हिरण्यकशिपु के अत्याचार, आतंक एवं स्वैच्छाचारिता का अंत कर धर्म राज्य की स्थापना की तथा प्रह्लाद सहित संपूर्ण लोकजीवन को अभयत्व प्रदान किया। भगवान् विष्णु के विभिन्न अवतारों में यह अवतार पौराणिक काल की ऐसी अद्भुततम घटना थी, जिसने साधना के अहंकार को नेस्तनाबूद कर दिया। दैत्यराज हिरण्यकशिपु ने तप के बल पर दिव्य शक्तियां प्राप्त कर उनके दुरुपयोग को ही अपनी सफलता माना था, किंतु जब वह दंडित किया गया तो यह मिथक स्वयंमेव खंड खंड हो गया कि साधन सिद्ध पुरुष ही परम शक्ति है, जिसे कभी कोई चुनौती नहीं दे सकता। नृसिंह अवतार के माध्यम से भगवान् श्री विष्णु ने एकतरफ जहां दैत्यराज हिरण्यकशिपु की स्वैच्छाचारिता, अमर्यादित आचरण और अत्याचारपूर्ण क्रियाकलापों पर रोक लगाई, वहीं दूसरी तरफ स्वधर्म पालन में रत अपने भक्त प्रहलाद की रक्षा कर उन्हें अभयत्व भी प्रदान किया। यह भगवान् का अपने निज जनों पर कृपा का ही एक तरीका है। वस्तुतः भगवान् श्रीहरि के नृसिंह रुप में आक्रोश अवतार का उद्देश्य केवल हिरण्यकशिपु का वध नहीं था बल्कि अहंकार के व्यामोह में अपनी मर्यादाओं का हनन कर प्रजाजनों को दारुण दुःख दिए जाने और उन पर अत्याचार किए जाने वाले एक दुष्ट शासक को दंड देकर सुधारने की एक प्रक्रिया थी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

दिल्ली की अनधिकृत कालोनियों को अधिकृत करने की एक और कोशिश

मनोज कुमार मिश्र
स्तंभकार

केंद्र सरकार और राज्य सरकार के साथ दिल्ली नगर निगम ने 1731 में से 1511 अनधिकृत कालोनी के करीब दस लाख परिवार को मालिकाना हक देने का फैसला किया है। दिल्ली की अधिकांश जमीन का मालिकाना हक दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के पास है। इससे पहले 23 अक्तूबर, 2019 को तत्कालीन केन्द्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी केन्द्रीय मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि प्रधानमंत्री उदय योजना के तहत नाम मात्र का शुल्क लेकर कुछ अपवाद को छोड़ कर सरकारी और निजी जमीन पर बनी कालोनियों को निवासियों को मालिकाना हक देकर उसे नियमित किया जाएगा। उसी की अगली कड़ी में मनोहर लाल खट्टर और दिल्ली की मुख्यमंत्री ने यह घोषणा की। यह भी कहा कि जहां है, जैसा है -के आधार पर कालोनियां नियमित की जाएगी। देशभर से रोजगार और बेहतर भविष्य की तलाश में दिल्ली आने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। दिल्ली को विकसित करने की जिम्मेदारी लेने वाली डीडीए इस काम में कब की फेल हो चुकी है। डीडीए लोगों को रहने के लिए घर देना तो दूर अपनी जमीन की हिफाजत तक नहीं कर पाई। डीडीए की हजारों एकड़ जमीन पर भू-माफिया सरकारी कर्मचारियों और नेताओं के साथ मिलकर लगातार अनधिकृत कालोनी बसा रहे हैं। पहले तो नेता ऐसे लोगों को वोट और नोट के लिए संरक्षण देते थे, अब तो अनेक माफिया चुनाव जीत कर निगम पार्षद, विधायक और सांसद बनने लगे हैं। वोट की राजनीति में कोई भी दल किसी भी अनधिकृत कालोनी को तोड़ने की हिम्मत नहीं कर सकता है। आज तक इस तरह की कालोनी को बसाने वाले एक भी भू-माफिया पर कारवाई नहीं हुई है। यही हाल अवैध झुग्गियों का है।

यह नियम बन गया है कि किसी झुग्गी परिवार को बिना वैकल्पिक जगह दिए नहीं हटाया जाएगा। बावजूद इसके दिल्ली के मुख्य इलाकों से हटाकर दिल्ली की सीमा पर बसाने पर भी विवाद होता रहा है। पूर्व नौकरशाह और केन्द्र सरकार में मंत्री रहे जगमोहन को 2004 के लोकसभा चुनाव में झुग्गी हटाने को मुद्दा बना कर हरा दिया। खुद जगमोहन का कहना था कि उनके खिलाफ कांग्रेस के ही नहीं भाजपा का एक वर्ग सक्रिय था। जबकि वास्तव में झुग्गी बस्तियों को व्यवस्थित तरीके से नए स्थान पर बसाने और यमुना नदी में गंदगी जाने से रोकने का जैसा अभियान जगमोहन ने शुरु किया था, वैसा उसके बाद अभी तक दोबारा नहीं हो पाया।

दिल्ली को विकसित करने के लिए 1957 में बनाया गया दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अपनी भूमिका कभी पूरी नहीं की।उसके अधिकारी और कर्मचारी भ्रष्टाचार के खेल में अव्वल भूमिका निभाते आ रहे हैं। जरूरतमंदों को उचित कीमत पर घर देने के बजाए अपनी जमीन पर अवैध कालोनी बसाने में सहयोगी बने रहे। यह कैसे संभव है कि हजारों एकड़ जमीन पर कब्जा हो गया और डीडीए के अधिकारियों को इसका पता नहीं चला।

पहली बार कांग्रेस ने अपना वोट बैंक पक्का करने के लिए 1071 में 54 कालोनियां को नियमित किया। इसमें कांग्रेस नेता हरकिशन लाल भगत ने यमुना पार की लक्ष्मीनगर, शकरपुर आदि कालोनियों को नियमित करवाया। यही काम बाहरी दिल्ली में सज्जन कुमार ने कराए। झुग्गी वालों को जेजे कालोनी में मकान देने के अलावा यमुना पार और बाहरी दिल्ली में मंगोलपुरी, सुल्तानपुरी, त्रिलोकपुरी, कोंडली, सीमापुरी, नंदनगरी, सीलमपुरी, गोकुलपुरी इत्यादि अनेक पुनर्वास कालोनी बसा दी। 1976-77 में आपातकाल में लोगों की नाराजगी दूर करने के लिए 514 रुपए प्रति वर्गमीटर विकास शुल्क देकर 607 कालोनियों के नियमित करने की घोषणा की गई। वास्तव में 567 कालोनियां ही नियमित हो पाई और वह भी बिना विकास शुल्क के।

कांग्रेस नेता चतर सिंह कहते हैं कि 1977 में तो इन कालोनियों के निवासियों ने जनता पार्टी को वोट किया लेकिन बाद में लंबे समय तक कांग्रेस के साथ रहे। इन्हीं नियमित और अनियमित अनधिकृत कालोनियों और पुनर्वास बस्तियों के निवासियों के बूते ही महानगर परिषद के आखिरी चुनाव में कांग्रेस जीती। उस चुनाव के बाद भाजपा नेता मदनलाल खुराना ने पहली बार इन बस्तियों में भाजपा के लिए राजनीतिक जमीन तैयार की। इसी बीच में दिल्ली को विधानसभा मिली और 1993 में विधानसभा का पहला चुनाव हुआ। चुनाव में भाजपा जीती और मदनलाल खुराना मुख्यमंत्री बने। अपने वायदे के हिसाब से एरियल सर्वे करवाकर 1071 कालोनियों को नियमित करने की विधानसभा में घोषणा की। एक तो केन्द्र में कांग्रेस की सरकार थी और दूसरे जैन हवाला कांड में नाम आने पर खुराना ने इस्तीफा दे दिया। फिर साहिब सिंह और आखिरी चार महीने सुषमा स्वराज मुख्यमंत्री रही। बिना कालोनी नियमित किए भाजपा सरकार की 1998 में विदाई हो गई। दिसंबर 1998 में शीला दीक्षित की अगुवाई में कांग्रेस की दिल्ली में सरकार बन गई। इस बीच में कालोनियों की संख्या बढ़ गई। पहले भू-माफिया नेताओं को साथ लेकर अवैध कालोनी बसाते थे। अब तो कालोनी बसाने वालों में कई पैसे के बल पर विधानसभा पहुंच गए। एक समय ऐसा आया कि दिल्ली की कांग्रेस सरकार के शहरी विकास मंत्री डाक्टर अशोक कुमार वालिया को उनके ही दल के विधायकों ने विधानसभा में बयान नहीं देने दिया। उन्होंने सदन में बताया कि जिन 1071 कालोनी की सूची तैयार की गई है उनमें से 762 के ही ले आउट प्लान और फाइल उपलब्ध हो पाया है। बाद में यह संख्या 810 हो पाई यानी करीब ढाई सौ कालोनी का वजूद दी नहीं है। फर्जी तरीके से यह संख्या लगातार बढ़ाई जाती रही। यह बढ़कर 1639 हो गई। 2008 के चुनाव से पहले दिल्ली की कांग्रेस सरकार ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से आधे से अधिक बसावट वाली 1218 कालोनी को नियमित करने का अस्थाई प्रमाण पत्र दिलवाए। बाद में कालोनी की संख्या पर हंगामा हो गया। एक-एक कालोनी का सर्वे किया गया तो पता चला कि 43 कालोनी का वजूद ही नहीं है और 137 कालोनी में बसावट दस फीसदी से कम है। 1018 कालोनी विवाद रहित है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

लाइफ स्टाइल से जुड़ी है पाइल्स की समस्या, आयुर्वेद में भी है इलाज

पाइल्स यानी बवासीर वह स्थिति है जब गुदा और मलाशय के निचले हिस्से की नसों में सूजन आ जाती है। शौच के दौरान जब इन नसों पर दबाव पड़ता है तो वो फूल जाती हैं, जिससे तेज दर्द, जलन और खून बहने की समस्या हो सकती है।आमतौर पर तीन आदतों के कारण पाइल्स की समस्या होती है। खानपान की गलत आदतों के कारण जिन लोगों को कब्ज की समस्या रहती है उन्हें पाइल्स होने की संभावना अधिक रहती है। इसके साथ ही जो लोग लंबे समय तक बैठे रहते हैं, ऑफिस में डेस्क जॉब करते हैं या जिनकी लाइफस्टाइल सही नहीं उन्हें भी पाइल्स हो सकता है।

बढ़ती उम्र के दौरान- उम्र बढ़ने के साथ गुदा की नसें कमजोर हो जाती हैं। आमतौर पर 45 से 65 साल की उम्र के लोगों में यह समस्या ज्यादा होती है। प्रेग्नेंसी और प्रसव के दौरान- प्रेग्नेंसी के दौरान पेट पर दबाव बढ़ता है। इसी तरह डिलीवरी के समय जोर लगाने से नसों पर असर पड़ता है, जिसके कारण महिलाओं में बवासीर का रिस्क बढ़ जाता है। टॉयलेट में मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए देर तक बैठना, मल त्याग में जोर लगाना, ये आदतें नसों पर दबाव बढ़ाती हैं, जिससे पाइल्स की समस्या शुरू हो सकती है। लंबे समय तक कब्ज रहना, बार-बार दस्त होना, इन दोनों ही स्थितियों में गुदा पर दबाव पड़ता है और पाइल्स की समस्या शुरू होने का जोखिम बढ़ जाता है। अगर आप फल और सब्जियां कम खाते हैं, ज्यादा जंक फूड खाते हैं, तो मल सख्त हो सकता है, जिससे बवासीर का खतरा बढ़ जाता है। ज्यादा वजन बढ़ने से पेट के अंदर दबाव बढ़ता है, जो नसों को प्रभावित करता है। जो लोग दिनभर बैठे रहते हैं, एक्सरसाइज नहीं करते, उनकी पाचन क्रिया धीमी हो जाती है और कब्ज बढ़ता है।

पाइल्स से बचने के उपाय: पाइल्स से बचने के लिए लाइफ लाइफस्टाइल में बदलाव करें, इसके लिए-फाइबरयुक्त डाइट लें- अपनी डाइट में फाइबर की मात्रा बढ़ाएं। फल, हरी सब्जियां, दालें, ओट्स और साबुत अनाज खाएं। फाइबर मल को नरम बनाता है और आसानी से बाहर निकालने में मदद करता है।

पानी ज्यादा पिएं: दिन भर में 8-10 गिलास पानी जरूर पिएं। इससे कब्ज नहीं होता और पाचन सही रहता है। शौच को कभी न रोकें, जोर लगाकर मल त्याग न करें, ज्यादा देर तक टॉयलेट में न बैठें, टॉयलेट में मोबाइल का इस्तेमाल न करें, जरूरत हो तो फुटस्टूल का उपयोग करें।

एक्सरसाइज करें: रोज 20-30 मिनट टहलें, योग और हल्की एक्सरसाइज करें, इससे पाचन सही रहता है और कब्ज नहीं होता। वजन कंट्रोल करें- वजन कम करने से बवासीर का खतरा कम हो जाता है।

सुविचार

अगर जिंदगी में कुछ पाना हो तो तरीके बदलो, इरादे नहीं।
-अज्ञात

नॉलेज

आसमान की परछाई से नीला नहीं दिखता समुद्र, इसकी है वैज्ञानिक वजह

हममें से ज्यादातर लोग जब समुद्र किनारे जाते हैं तो नीले पानी को देखकर हैरान रह जाते हैं। कई लोग मानते हैं कि समुद्र इसलिए नीला दिखता है क्योंकि वह आसमान की नीली परछाई को रिफ्लेक्ट करता है। लेकिन यह धारणा गलत है।

समुद्र के नीले रंग का आसमान से कोई सम्बन्ध नहीं है। इसके पीछे एक दिलचस्प वैज्ञानिक वजह छिपी हुई है जो प्रकाश के व्यवहार और पानी की विशेषताओं से जुड़ी है। सूर्य की रोशनी सफेद दिखती है लेकिन असल में इसमें सात रंगों का स्पेक्ट्रम होता है- लाल, नारंगी, पीला, हरा, नीला, गहरा नीला और बैंगनी। इन रंगों की तरंगदैर्ध्य अलग-अलग होती है। लाल रंग की तरंगदैर्ध्य सबसे लंबी होती है जबकि नीले और बैंगनी रंग की सबसे छोटी। जब सूर्य की रोशनी समुद्र के पानी में प्रवेश करती है तो पानी के अणु लंबी तरंगदैर्ध्य वाली रोशनी (लाल, नारंगी और पीली) को तेजी से सोख लेते हैं। ये रंग पानी में गहराई में जाने से पहले ही खत्म हो जाते हैं। वहीं छोटी तरंगदैर्ध्य वाली नीली रोशनी पानी में ज्यादा गहराई तक पहुंच पाती है और पानी के अणुओं तथा छोटे कणों से टकराकर चारों तरफ बिखर जाती है। इसी वजह से जब हम समुद्र की सतह की ओर देखते हैं तो हमारी आंखों तक ज्यादातर नीली रोशनी ही पहुंचती है, इसलिए समुद्र नीला दिखाई देता है।

भ्रमित हो जाते हैं लोग: जितना गहरा और साफ पानी होता है, उतना ही गहरा नीला रंग दिखता है। यह प्रक्रिया आसमान के नीले होने से काफी मिलती-जुलती है। आसमान नीला इसलिए दिखता है क्योंकि वायुमंडल में मौजूद अणु नीली रोशनी को ज्यादा स्कैटर करते हैं (Rayleigh Scattering)। लेकिन समुद्र के मामले में मुख्य वजह पानी द्वारा रंगों का Selecti1e Absorption है, ना कि सिर्फ रिफ्लेक्शन। अगर पानी बहुत कम मात्रा में हो, जैसे गिलास में भरा पानी, तो वह रंगहीन दिखता है क्योंकि रोशनी पूरी तरह से गुजर जाती है और रंग सोखने का मौका नहीं मिलता। लेकिन जब पानी की मोटी परत हो, जैसे समुद्र में, तो रंग सोखने और बिखरने का प्रभाव साफ दिखाई देता है। समुद्र का रंग हर जगह एक समान नहीं होता। अगर पानी में प्लैंकटन, कीचड़, तलछट या अन्य कण ज्यादा हों तो रंग हरा, भूरा या यहां तक कि लाल भी दिख सकता है।

टेक्नो अपडेट

आ गए दुनिया के पहले स्मार्ट ईयररिंग्स कान की बाली ट्रैक करेगी आपकी सेहत

अभी तक आपने सेहत ट्रैक करने वाली स्मार्टवॉच या स्मार्ट रिंग के बारे में सुना होगा लेकिन अब यही काम कान की बालियां भी कर सकेंगी। दरअसल दुनिया की पहली स्मार्ट बालियां या ईयररिंग्स Lumia 2 लॉन्च हो गई हैं। अक्सर देखा गय है कि लोगों को स्मार्टवॉच या स्मार्ट रिंग जैसे डिवाइस पहनना उलझन भरा और भारी भरकम लगता है। इसी कमी को दूर करने के लिए ही लूमिया हेल्थ ने स्मार्ट ईयरिंग्स बनाए हैं। जॉन हॉपकिंस और हार्वर्ड जैसे बड़े संस्थानों के शोधकर्ताओं के साथ मिलकर तैयार किया गया यह गैजेट किसी कॉफी के बीज जितना छोटा है।

यह न सिर्फ फैशन का हिस्सा है, बल्कि आपकी रगों में बहने वाले खून से लेकर दिल की हर हरकत पर नजर रखता है। इनका वजन मात्र 1 ग्राम है और यह अब तक का सबसे आराम से पहने जा सकने वाला हेल्थ गैजेट है।

लूमिया 2 ईयररिंग्स साइज में भले किसी स्मार्टवॉट या स्मार्ट रिंग से छोटे लगें लेकिन टेक्निकली ये बेहद पावरफुल हैं। इन ईयरिंग्स में लगे सेंसर आपकी नींद, रीरिक गतिविधि, ऑक्सीजन लेवल (SpO2) और यहां तक कि शरीर के तापमान को भी ट्रैक कर सकते हैं। इनका सबसे बड़ा फीचर ब्लड फ्लो को मापना बताया जा रहा है, जिससे कई तरह की बीमारियों का समय रहते पता चल सकता है। इसके अलावा, महिलाएं इसके जरिए मेंस्ट्रुअल साइकिल पर भी नजर रख सकती हैं। स्मार्ट ईयरिंग्स से सारा डेटा फोन की ब्लूटूथ ऐप पर ट्रांसफर हो जाएगा, जिसे फोन पर एक ऐप के जरिए बेहतर तरीके से समझा जा सकता है।

ज्वैलरी जैसा डिजाइन: रिपोर्ट के अनुसार स्मार्ट ईयरिंग्स का डिजाइन बिलकुल ज्वैलरी जैसा है और इसे देखकर अंदाजा लगा पाना मुश्किल है कि यह किसी तरह का गैजेट है। इसके अलावा इसके डिजाइन की खासियत है कि जिनके कानों में छेद नहीं वे भी इसे पहन सकेंगे। इसके अलावा खास स्विचबैक टेक्नोलॉजी की मदद से आप इसे अपनी पुरानी बालियों के साथ भी जोड़ सकते हैं।

कैसे काम करते हैं ईयरिंग्स: ये स्मार्ट ईयरिंग्स कान के पीछे मौजूद सेंसर से कलाई की तुलना में कहीं ज्यादा सटीक डेटा देते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि यहां रक्त वाहिकाएं त्वचा के करीब होती हैं और हाथ हिलाने जैसी आम मूवमेंट्स डेटा को प्रभावित नहीं करती। यह गोल्ड, सिल्वर और टाइटेनियम फिनिश में उपलब्ध हैं। लूमिया 2 का सबसे खास फीचर है कि इसकी बैटरी आसानी से बदली जा सकती है। दरअसल, दूसरे हेल्थ गैजेट्स की तरह इन्हें चार्ज करने के लिए कान से उतारने की जरूरत नहीं पड़ती। इनमें से डिस्चार्ज हो चुकी बैटरी को निकाल कर आप दूसरी फुल बैटरी चार्ज पर लगा कते हैं। इनकी एक बैटरी 7 दिनों तक चलती है, जिससे डेटा कैप्चर होना कभी नहीं रुकता।

निशाना

आसमां मिल पाये न..!

दिनेश मालवीय अश्क

कोई कमी नहीं पर कोई कमी तो है
बेसबब बेबात आँखों में नमी तो है।
दुनिया का यह निज़ाम यूँ ही तो न चल रहा
इसको चलाने के लिए कोई कहीं तो है।
आसमां मिल पाए न मिल पाए ग़म नहीं
नाचेंगे यहीं गायेंगे अपनी ज़मीं तो है।
आदमी को और कुछ मानें के न मानें
कुछ न हो वो ना सही पर आदमी तो है।
बज़्म की आराइयां क़ायम तो रहीं अश्क
बज़्मआरा जो नहीं उसकी कमी तो है।

न्यूज विंडो

जर्जर पोस्ट ऑफिस भवन से बढ़ा खतरा, हादसे की आशंका

उमरिया। क्षेत्र के नौरोजाबाद स्थित पोस्ट ऑफिस का भवन इन दिनों बेहद जर्जर हालत में पहुंच चुका है, जिससे यहां कार्यरत कर्मचारियों और आम जनता की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। रोजाना अपने डाक व बैंकिंग कार्यों के लिए आने वाले लोग किसी भी समय बड़े हादसे का शिकार हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि यह भवन स्थानीय जोहिला एरिया के अंतर्गत आता है, लेकिन लंबे समय से इसकी मरम्मत या रखरखाव की ओर ध्यान नहीं दिया गया है। भवन की दीवारें कमजोर हो चुकी हैं और छत से गिरने का खतरा बना रहता है, खासकर आने वाले बारिश के मौसम को देखते हुए स्थिति और भी चिंताजनक हो गई है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि बरसात शुरू होने से पहले भवन की तत्काल मरम्मत कराई जाए या फिर नए भवन का निर्माण कराया जाए। उनका कहना है कि यह सिर्फ सुविधा का नहीं बल्कि लोगों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा का मामला है।

कुरवाई में अवैध लकड़ी भंडारण पर वन विभाग की कार्रवाई, शा मिल सील

गंजबासौदा। क्षेत्र में अवैध लकड़ी भंडारण की सूचना मिलने पर वन विभाग ने कुरवाई में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शा मिल पर छापा मारकर उसे सील कर दिया। यह कार्रवाई वन मंडलाधिकारी तथा एसडीओ बासौदा के निर्देशानुसार गठित टीम द्वारा की गई। वन विभाग की टीम ने जब शा मिल परिसर की जांच की तो वहां बबूल, चिरोल, महानीम, खेर सहित विभिन्न प्रजातियों की लकड़ी का भंडारण पाया गया। जांच के दौरान कुल 91 नग लकड़ी मौके पर पाई गई। टीम द्वारा दस्तावेजों की मांग करने पर शा मिल संचालक कोई वैध अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। साथ ही स्टॉक रजिस्टर में भी लकड़ी का कोई लेखा-जोखा दर्ज नहीं मिला। अनियमितता पाए जाने पर वन विभाग ने मध्यप्रदेश काष्ठ चिरान अधिनियम 1984 के तहत कार्रवाई करते हुए शा मिल को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। यह कार्रवाई वन परिक्षेत्र अधिकारी पिंकी रघुवंशी के नेतृत्व में की गई। टीम में अशोक गौर, लक्ष्मी प्रसाद पंथी, प्रवीण विश्वकर्मा (वनपाल) एवं केपी राजपूत (वनरक्षक) शामिल रहे।

ओवरब्रिज निर्माण से अनूपपुर दो हिस्सों में बंटा, पार्किंग ठेकेदार पर जबरन वसूली के आरोप

अनूपपुर। शहर इन दिनों रेलवे फाटक को ओवरब्रिज में परिवर्तित करने के कार्य के चलते गंभीर अव्यवस्था का सामना कर रहा है। फाटक बंद होने के कारण शहर व्यावहारिक रूप से दो हिस्सों में बंट चुका है। एक हिस्सा जहां विकास कार्यों की पहुंच है, वहीं दूसरा हिस्सा इससे अछूता नजर आ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, एक तरफ से दूसरी तरफ जाने के लिए अब लगभग 5 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर करना पड़ रहा है। इससे आम नागरिकों, व्यापारियों और दैनिक यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। इसी बीच भारतीय रेलवे के अनूपपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 साइड स्थित पार्किंग क्षेत्र को लेकर भी गंभीर आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब वे प्लेटफॉर्म नंबर 3 की ओर वाहन खड़ा कर बाजार जाते हैं, तो लौटने पर पार्किंग ठेकेदार द्वारा उनके वाहनों को चेन से लॉक कर दिया जाता है। खास बात यह है कि कई मामलों में वाहन पार्किंग क्षेत्र से बाहर खड़े होने के बावजूद लॉक किए गए। इसके बाद वाहन खोलने के लिए जबरन शुल्क वसूला जा रहा है।

शिक्षाविद तिवारी की जयंती पर शैक्षणिक सामग्री वितरित

गंजबासौदा। स्वर्गीय कपिल तिवारी की जयंती पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री व नए वस्त्र वितरित किए गए, जिससे जरूरतमंद बच्चों के चेहरों पर मुस्कान देखने को मिली। इस अवसर पर मंच ने सामाजिक सरोकार निभाते हुए गौशाला के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया तथा निर्धन लोगों के भोजन हेतु भी सहयोग राशि दी। कार्यक्रम में वक्ताओं ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए समाज में एकता, भाईचारा और राष्ट्रहित में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया। साथ ही मुस्लिम समाज से अधिक से अधिक बच्चों को स्कूल भेजने की अपील की गई। अंत में सभी ने समाजसेवा के ऐसे कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मंच के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

औद्योगिक शहर मंडीदीप में पानी की किल्लत, गुस्साई महिलाओं ने किया विरोध-प्रदर्शन

प्यास से तड़प रही जनता, नपा कार्यालय पर फूटा गुस्सा, अध्यक्ष की नेम प्लेट पर पोता गोबर

अजय आहूजा। दोपहर मेट्रो

मंडीदीप। औद्योगिक शहर में स्थानीय प्रशासन की पेयजल आपूर्ति के दावों कलई पूरी खुल गई है। नपा के एक-दो वार्ड को छोड़कर बाकी सभी 26 वार्डों में पानी की भारी किल्लत है। रहवासियों को 8-8 दिन में एक बार भी पानी नहीं मिल पा रहा है। प्यास से तड़पती जनता अब सड़कों पर उतर आई है और नपा कार्यालय में रोजाना लोगों का उफनता गुस्सा देखा जा रहा है।

बुधवार को वार्ड 10 के नागरिकों ने जब नपा कार्यालय पहुंचकर पानी की मांग की, तो नपा अध्यक्ष अपने केबिन में नहीं मिलीं। इससे आक्रोशित महिलाओं ने अध्यक्ष की केबिन के बाहर लगी नेम प्लेट पर गोबर पोत दिया। महिलाओं के फूटे गुस्से के बीच कार्यालय में हाय-हाय और मुर्दाबाद के नारे गूंज उठे। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने एक दिन की मोहलत मांगकर किसी तरह महिलाओं को शांत किया और रवाना किया। शहर के औद्योगिक विकास के नाम पर जहां कारखाने लग रहे हैं, वहीं आम नागरिक बुनियादी जरूरतों के लिए तरस रहे हैं। नपा प्रतिवर्ष डेढ़ अरब का बजट रखती है, लेकिन यहां की एक लाख की आबादी पीने के पानी के लिए तरस रही हैं। सड़कों के लिए भारी भरकम बजट है, लेकिन भ्रष्टाचार की सड़क 6 महीने भी नहीं चल रही है, बच्चों के लिए खेल मैदान नहीं, स्कूल, पुलिस थाना, कॉलेज, सब्जी मंडी जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए शहर में जगह नहीं है।

पेयजल सिस्टम की नाकामी के कारण

- **पूरी पेयजल व्यवस्था बोरबेल के भरोसे:** नपा की पेयजल व्यवस्था सिर्फ बोरवेल पर निर्भर है। बोर सूखते जा रहे हैं और उसके साथ पेयजल व्यवस्था भी बिगड़ती जा रही है।
- **दो दशक में करोड़ों खर्च, लेकिन एक भी योजना सफल नहीं:** पिछले 20 सालों में अलग-अलग पेयजल योजनाओं पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन कोई भी योजना जमीन पर उतरकर लोगों तक पानी नहीं पहुंचा सकी।
- **दो महीने से संकट, फिर भी निजी बोर का अधिग्रहण नहीं:** दो महीने से लगातार पानी की किल्लत होने के बावजूद नपा ने निजी बोरवेलों का अधिग्रहण तक नहीं किया।
- **निजी टैंकरों से काली कमाई का आरोप:** लोगों का आरोप है कि नपा अधिकारी और ठेकेदार निजी टैंकर माफिया के साथ मिलकर जानबूझकर पेयजल व्यवस्था बिगाड़ रहे हैं ताकि टैंकरों से मोटी कमाई हो सके।

> वार्ड में 10-10 दिन में एक बार पानी नहीं मिल रहा है, बच्चों से लेकर बुजुर्ग पानी के लिए तरस रहे हैं और अध्यक्ष और अध्यक्ष पति सोसल मीडिया पर विकास का ढिढोरा पीट रहे हैं।
>
> **-सुनील मालवीय,** पूर्व पार्षद
>
> शहर में पानी कमी नहीं है, दरअसल नपा के पास पेयजल मैनेजमेंट का कोई सिस्टम ही नहीं है, पूर्व के कार्यकलों में इससे ज्यादा विषम परिस्थितियों में पानी की किल्लत नहीं हुई।
>
> **-गणेश शर्मा,** सामाजिक कार्यकर्त्ता
>
> नपा पेयजल व्यस्था को सुचारु बनाने के लिए सभी प्रयास करने में जुटी है, निजी बोर अधिग्रहण का प्रस्ताव भी अनुविभगीय कार्यालय भेज दिया गया है। जल्द व्यवस्था पटरी पर लौट आएगी।
>
> **-डॉ. प्रशांत जैन,** नपा सीएमओ।

दुल्हन ने प्रेमी को वरमाला पहनाकर लगा लिया गले, दूल्हा देखता रह गया

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

जिले के परासिया के अंतर्गत आने वाले मुजावर गांव में आयोजित एक शादी समारोह के मंडप में उस समय हड़कंप मच गया, जब यहां दुल्हन ने सबके सामने दूल्हे के बजाए अपने प्रेमी के गले में वरमाला डालकर उसे गले लगा लिया और धूमधाम से बारात लेकर आए दूल्हा के साथ साथ घराती और बारातियों समेत समारोह में शामिल हर कोई हक्का-बक्का रह गया। उमरेठ थाना इलाके में हुई इस घटना ने न सिर्फ शादी की रस्मों को अधूरा छोड़ा, बल्कि दोनों परिवारों को भी सदमे और शर्मिंदगी का कारण बन गया। बताया जा रहा है कि, ये घटना 27-28 अप्रैल की दरमियानी रात की है। परासिया से आई बारात पूरे रीति-रिवाज और धूमधाम के साथ मुजावर गांव पहुंची थी। घरातियों द्वारा बारात का जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान जमकर आतिशबाजी की गई। भोजन के बाद जैसे ही वरमाला की रस्म शुरू हुई, दूल्हा मंच पर खड़ा इंतजार कर रहा था। इसी दौरान दुल्हन को मंच पर लाया गया, लेकिन उसने अचानक दिशा बदलते हुए पंडाल में मौजूद अपने प्रेमी के गले में वरमाला डाल दी। यही नहीं, वो उससे लिपट भी गई। इस नजारे को जिस किसी ने भी देखा, हक्का-बक्का रह गया।

पुतला दहन के दौरान भड़की आग, कई लोग झुलसे

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

छतरपुर में यूथ कांग्रेस द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के खिलाफ प्रस्तावित पुतला दहन प्रदर्शन अचानक बेकाबू हो गया। प्रदर्शन कर रहे यूथ कांग्रेसियों और पुलिस के बीच तीखी झड़प हुई और इसी दौरान पुतले में आग लगाने से आग भड़क गई। आग भड़कने से दो पुलिसकर्मियों समेत करीब दर्जन भर कार्यकर्ता झुलस गए। घटना के बाद जब आग में झुलसे लोगों को अस्पताल लाया गया तो वहां भी यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया।

यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय से पुतला लेकर प्रदर्शन के लिए निकले ही थे कि रास्ते में पुलिस ने उन्हें रोक लिया और पुतला छीनने का प्रयास किया। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच जोरदार धक्का-मुक्की और विवाद शुरू हो गया। हालात तब और बिगड़ गए जब एक कार्यकर्ता ने पुतले पर पेट्रोल डाल दिया और दूसरे ने आग लगा दी। अचानक भड़की आग की लपटों की चपेट में आकर पुलिस आरक्षक आशीष खरे और संदीप राय,कपेन्द्र सिंह घोष समेत करीब 10 से 12 कांग्रेस कार्यकर्ता झुलस गए। घटना के

बाद भी कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए छत्रसाल चौराहे पहुंचे और वहां धरना देकर प्रदर्शन जारी रखा। घटना के बाद पुलिस की मदद से सभी घायलों को जिला अस्पताल लाया गया, जहां एक बार फिर माहौल गरमा गया। यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह,कपिल रिछारिया, मनमोहन कुशवाह आदि का अस्पताल में इलाज किया जा रहा था इस दौरान कुछ कार्यकर्ताओं और डॉक्टरों के बीच इमरजेंसी में विवाद हो गया। विवाद के कारण डॉक्टर भी नाराज हो गए और काम बंद कर अस्पताल से बाहर निकलने लगे, हालांकि समझाईश के बाद डॉक्टर मान गए और घायलों का इलाज किया। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि अस्पताल में उनके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया गया, जिससे नाराज होकर कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। वहीं डॉक्टरों का कहना है कि कार्यकर्ता अस्पताल पहुंचते ही दबाव बनाने लगे और अभद्रता करते हुए धमकी देने लगे। स्थिति को संभालने के लिए अस्पताल परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया और समझाइश के बाद सभी घायलों का इमरजेंसी में उपचार शुरू किया गया।

नशे में धुत ट्रक चालक ने 18 किलोमीटर दौड़ाया वाहन, 4-5 लोग घायल, भीड़ ने पीटकर पकड़ा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

बीती रात करीब 11: 30 बजे इटारसी से नर्मदापुरम की ओर आ रहे एक ट्रक चालक ने लापरवाही बरतते हुए वाहन को 18 किलोमीटर तक बेकाबू दौड़ाया। इस दौरान रास्ते में तीन स्थानों पर बाइकों से टक्कर होने से 4-5 लोग घायल हो गए। आक्रोशित लोगों ने ट्रक का पीछा किया और रसूलिया स्थित एसबीआई बैंक के पास ब्रिज उतरते ही चालक को पकड़कर जमकर पिटाई कर दी। पुलिस के अनुसार, चालक नशे में धुत था। सूचना मिलते ही देहात थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और चालक व ट्रक को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम सत्यम पिता रामजी तिवारी निवासी नागपुर बताया। उसने कबूल किया कि वह कोयला लादकर नागपुर से इटारसी आया था। एसआई अरविंद बेले ने बताया कि चालक के खिलाफ लापरवाही व नशे में वाहन चलाने का मामला दर्ज कर जांच जारी है। घटना से इलाके में दहशत फैल गई। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

अवैध शराब से लदी कार जब्त युवक समेत महिला गिरफ्तार

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

रात में पथरोटा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक काले रंग की क्रेटा कार से 37 पेटी अवैध शराब जब्त की है।पुलिस नें कार चालक मनोज वामने और एक महिला को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी मोनिका गौर नें बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि इटारसी की ओर जा रही एक काले रंग की कार में अवैध शराब का परिवहन हो रहा है। सूचना पर पुलिस ने 11 मुखी हनुमान मंदिर के बाद चेकिंग पॉइंट लगाया था। पुलिस को दूर से देखकर आरोपी कार पलटाकर भागने लगा। पुलिस टीम ने कार का पीछा किया। पीछे पुलिस देखकर उनसे कार कि गति और तेज कर दी,जिससे रास्ते मे कार एक गड्ढे पटका गई , जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार जब्त कर ली और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। कार से कुल 37 पेटी अवैध शराब बरामद हुई।.खबर लिखें जाने तक पुलिस के कार्रवाई जारी थी

कोयले के अवैध कारोबार पर उठे सवाल

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिला में इन दिनों कोयले के कथित अवैध कारोबार को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। स्थानीय स्तर पर यह आरोप लगाए जा रहे हैं कि एक प्रभावशाली व्यक्ति, जो पहले राजनीति में सक्रिय रहा है, अब कथित रूप से इस पूरे नेटवर्क की मॉनिटरिंग और मैनेजमेंट में लगा हुआ है। सूत्रों के अनुसार, कोयले का परिवहन बुढार से लेकर सतना, चित्रकूट, प्रयागराज (इलाहाबाद) और कटनी तक किया जा रहा है। हैरानी की बात यह बताई जा रही है कि इतने लंबे रूट में सैकड़ों पुलिस थाने और चौकियां पड़ने के बावजूद कथित तौर पर वाहनों की जांच नहीं हो रही है।

मेट्रो एंकर मूड़रा मेवली में 9 कुंडीय श्रीराम यज्ञ का शुभारंभ, निकली कलश यात्रा

महिलाओं ने सिर पर कलश रख किया गांव भ्रमण, पुष्प वर्षा से किया स्वागत

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

समीपस्थ ग्राम मूड़रा मेवली में गत दिवस 9 कुंडीय श्रीराम यज्ञ एवं संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर गांव में गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और जयघोष के बीच विशाल कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने पीले वस्त्र धारण कर सिर पर मंगल कलश रखकर सहभागिता की। कलश यात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से होती हुई यज्ञ स्थल पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से पूजा अर्चना कर यज्ञ का शुभारंभ कराया गया। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। धार्मिक माहौल से पूरा गांव भक्तिरस में डूबा नजर आया। आयोजन समिति के अनुसार 30 अप्रैल से 4 मई तक प्रतिदिन यज्ञ अनुष्ठान एवं श्रीमद् भागवत

कथा का वाचन होगा, जबकि 5 मई को पूर्णाहुति के साथ विशाल भंडारा एवं प्रसादी वितरण किया जाएगा। कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक आयोजित होगी।

बताया गया कि ग्राम मूड़रा मेवली में पहली बार इतने विशाल स्तर पर यज्ञ का आयोजन हो रहा है, जिससे ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन की तैयारियां पिछले दो माह से चल रही थीं। यज्ञाचार्य पं. मिथिलेश शास्त्री के निर्देशन में अनुष्ठान संपन्न कराया जा रहा है। कथा वाचन पं. तरुण महाराज द्वारा किया जाएगा। कथा के मुख्य यजमान रामकृष्ण रघुवंशी एवं यज्ञ के मुख्य यजमान मुकेश रघुवंशी हैं। आयोजन समिति ने बताया कि आगामी दिनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं।

न्यूज विंडो

कचरा डंप यार्ड में आग, धुएं से वार्ड 10, 11, 12 के लोग बेहाल, उठे सवाल

कोतमा। शहर के कचरा डंप यार्ड में बीती रात लगी भीषण आग ने गुरुवार को विकराल रूप ले लिया। आग से उठ रहे घने और जहरीले धुएं ने वार्ड क्रमांक 10, 11 और 12 के निवासियों का जीवन संकट में डाल दिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार रात से ही धुआं पूरे इलाके में फैल गया, जिससे सांस लेने में भारी दिक्कत हो रही है, खासकर बच्चों और बुजुर्गों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। नगर पालिका की फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंचकर आग बुझाने के प्रयास में जुटी हुई है, लेकिन आग बार-बार भड़क रही है और पूरी तरह नियंत्रण में नहीं आ पा रही। इससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। डंप यार्ड में जल रहे कचरे से निकलने वाला धुआं बेहद खतरनाक माना जाता है। इसमें प्लास्टिक और अन्य विषैले पदार्थों के जलने से जहरीली गैसें निकल रही हैं, जो दमा, एलर्जी और अन्य सांस संबंधी बीमारियों को बढ़ा सकती हैं। यह समस्या केवल कोतमा तक सीमित नहीं है। शहडोल संभाग के लगभग 22 नगरीय क्षेत्रों में इसी तरह के हालात बने हुए हैं, जहां कचरा प्रबंधन की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण डंप यार्ड में बार-बार आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इस घटना के बाद नगर पालिका और प्रदूषण नियंत्रण विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के तहत एमआरएफ और पीपीपी मॉडल जैसे कई प्रोजेक्ट लागू किए गए हैं, बावजूद इसके कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण नहीं हो पा रहा

रबी उपार्जन पंजीयन में तकनीकी खामी से किसान परेशान, चक्कर लगाने को मजबूर

तेंदूखेड़ा। क्षेत्र में रबी फसल के उपार्जन हेतु पंजीयन प्रक्रिया किसानों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। किसान सुबह से लेकर देर रात तक कंप्यूटर सेंटरों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन वेबसाइट की धीमी गति और तकनीकी खामियों के चलते उनका पंजीयन कार्य समय पर नहीं हो पा रहा है। इससे किसानों में भारी नाराजगी और रोष व्याप्त है। किसानों का कहना है कि जिनकी फसल तैयार हो चुकी है और तुलाई भी हो गई है, उनकी फसल की ऑनलाइन फीडिंग नहीं हो पा रही है। साइट के धीमे संचालन के कारण डेटा अपलोड नहीं हो रहा, जिससे भुगतान प्रक्रिया भी प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। भीषण गर्मी में घंटों इंतजार करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से किसान बेहद परेशान हैं। किसान सुरेश, कल्याण, बलदेव, भूरा, उम्मीद, परशुराम और रामकिशन सहित कई किसानों ने बताया कि जब वे रजिस्ट्रेशन या स्लॉट बुक करने का प्रयास करते हैं, तो कंप्यूटर स्क्रीन पर भूमि सत्यापन नहीं हुआ का संदेश प्रदर्शित होता है। किसानों का कहना है कि यदि भूमि सत्यापन नहीं हुआ है, तो फिर उनके गेहूं के पंजीयन पहले कैसे हो गए। इससे स्पष्ट होता है कि शासन की नीतियों और जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन में बड़ा अंतर है।किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि तकनीकी अव्यवस्था और लचर प्रबंधन के कारण उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान होना पड़ रहा है। कई किसानों ने मांग की है कि पंजीयन प्रक्रिया को सरल और सुचारु बनाया जाए तथा साइट की तकनीकी समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए, ताकि किसानों को राहत मिल सके।

जबलपुर में नाबालिग लड़कियों को बेचने वाले गिरोह का खुलासा

जबलपुर। नाबालिग लड़कियों को शादी के नाम पर बेचने के एक संगठित गिरोह का खुलासा हुआ है। गिरोह की परतें खुल रही हैं और पुलिस जांच में मानव तस्करी के एक बड़े नेटवर्क के सक्रिय होने का पता चला है। 6 दिसंबर 2025 को जबलपुर के घमापुर क्षेत्र से लापता हुई 16 वर्षीय नाबालिग बच्ची के मामले में पुलिस जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस ने बच्ची को 22 दिसंबर को जबलपुर से 483 किलोमीटर दूर एमपी-राजस्थान सीमा से लगे शाजापुर के एक गांव से बरामद किया, जहां उसे 2 लाख रुपए में बेचकर शादी कराई गई थी। पुलिस ने बच्ची से शादी करने वाले युवक को हिरासत में लिया और उसे जबलपुर लाकर परिजनों के सुपुर्द किया। मामले में पुलिस ने अपनी जांच शुरू की तो पता चला कि यह एक बड़ा नेटवर्क है। यहां एक पूर्व सरपंच इस नेटवर्क को चला रहा था।

बीती रात करीब 8 बजे धार में जियो पेट्रोल पंप के पास भीषण सड़क हादसा

टायर फटने से डिवाइडर फांदकर स्कॉर्पियो से टकराई पिकअप; 6 बच्चों समेत 16 की मौत

धार। दोपहर मेट्रो

इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार रात एक सड़क दुर्घटना में 16 लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में 6 मासूम बच्चे और महिलाएं शामिल हैं। हादसा इतना भीषण था कि तेज रफ्तार पिकअप वाहन टायर फटने के बाद अनियंत्रित होकर डिवाइडर कूद गया और दूसरी दिशा से आ रही स्कॉर्पियो से टकराकर तीन-चार बार पलटी खा गया।

घटना रात करीब 8 बजे चिकलिया फाटा स्थित जियो पेट्रोल पंप के पास हुई। प्रत्यक्षदर्शी शुभम सिसोदिया के अनुसार, पिकअप वाहन धार से मांगूद की तरफ जा रहा था, जिसमें करीब 46 से 50 मजदूर सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि वाहन की रफ्तार लगभग 100 किलोमीटर प्रति घंटा थी। अचानक टायर फटने से चालक ने नियंत्रण खो दिया। वाहन डिवाइडर पार कर रॉन्ग साइड में घुस गया और सामने से आ रही स्कॉर्पियो जो मांगूद से धार जा रही थी को अपनी चपेट में ले लिया। कमिश्नर सुदाम खाड़े और प्रभारी कलेक्टर अभिषेक चौधरी ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। गंभीर रूप से घायल 7 लोगों को बेहतर उपचार के लिए इंदौर भेजा गया है। 15 घायलों का स्थानीय और 6 का निजी अस्पतालों में उपचार जारी है।इंदौर में डॉक्टरों की एक विशेष टीम को तैनात किया गया है और सभी का इलाज किया जा रहा है।

मृतकों के परिजन को 2-2 लाख की सहायता दी जाएगी

प्रधानमंत्री ने धार हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा- दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

सीएम ने 4-4 लाख रुपए की सहायता का ऐलान किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार हादसे के प्रभावितों के प्रति संवेदना जताई है। उन्होंने ङ्क पर लिखा- मृतकों के परिवारजन को 4-4 लाख रुपए, गंभीर घायलों को 1-1 लाख रुपए तथा घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। इंदौर संभागायुक्त और आईजी को उपचार व्यवस्था के लिए धार जाने के निर्देश दिए हैं। सभी घायलों का उपचार किया जाएगा। वहीं धार के जिला प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने घटना पर दुख जताया है। सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी ने कहा- इंदौर में भी अस्पतालों को अलर्ट कर दिया गया है। घायलों के उपचार के निर्देश दिए हैं।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत 415 मासूमों को परिवारों से मिलवाया

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

कई दिनों से अपनों की राह ताकती आंखों में आखिरकार सुकून उतर आया, जब ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुम हुई तीन नाबालिग बालिकाएं सकुशल अपने घर लौट आईं। गंजबासौदा शहर पुलिस की संवेदनशीलता और तत्परता ने उन परिवारों की सूनी दुनिया में फिर से खुशियों की रोशनी भर दी, जिनके आंगन से हंसी अचानक गायब हो गई थी। थाना शहर में अलग-अलग दर्ज तीन प्रकरणों में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा बहला-फुसलाकर बालिकाओं को भगाकर ले जाने की शिकायतें सामने आई थीं। इन गंभीर मामलों में पुलिस ने तुरंत अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू की। तीनों मामलों में धारा बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत विशेष टीमों का गठन किया।

व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़े विवाद को लेकर बजरंग दल के दो गुट आपस में भिड़े

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

शहर में बस स्टैंड स्थित मानसरोवर कॉम्प्लेक्स के समीप देर रात व्हाट्सएप ग्रुप से सदस्यों को हटाने और मैसेज डिलीट करने के विवाद में बजरंग दल के दो गुट आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों के बीच सड़क पर जमकर लाठी-डंडे चले और करीब आधे घंटे तक हंगामा हुआ। कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सख्ती दिखाते हुए स्थिति को नियंत्रित किया। घटना के बाद दोनों गुट थाने पहुंचे और आपसी समझौते की बात कही, जिसके चलते किसी भी पक्ष ने पुलिस में औपचारिक शिकायत एफआईआर दर्ज नहीं कराई है।

शराब दुकान हटाने की मांग लेकर और उग्र हुईं महिलाएं

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

बुढ़ी इलाके में शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर महिलाओं का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले करीब 15 दिनों से महिलाएं इस 50 साल पुरानी दुकान को रिहायशी इलाके से हटाने के लिए दिन-रात धरने पर बैठी हैं। बीते दिनों दुकान पर हुई हाथापाई और झड़प के बाद अब यह आंदोलन और तेज हो गया है। महिलाओं की मांग है कि जब तक शराब दुकान हटाई नहीं जाएगी आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा।

तेजी सिंह ठाकुर को दी भावभीनी विदाई

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

शासकीय बालक माध्यमिक शाला में वर्षों से पदस्थ रहे प्रधानाध्यापक तेजी सिंह ठाकुर को सेवानिवृत्त होने पर एक भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस गरिमामय कार्यक्रम में क्षेत्र के पूर्व ऊर्जा राज्य मंत्री दशरथ सिंह लोधी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ ही अनेक पूर्व एवं वर्तमान अधिकारी, शिक्षकगण, विद्यालय परिवार तथा स्थानीय नागरिकों ने भी समारोह में भाग लेकर श्री ठाकुर को भावभीनी विदाई दी।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं स्वागत भाषण से हुई, जिसके पश्चात वक्ताओं ने श्री ठाकुर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। सभी ने एक स्वर में उनके अनुशासन, समर्पण और शिक्षा के प्रति उनके जुनून की सराहना की। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने न केवल विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को ऊंचाई दी, बल्कि इसे एक आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशेष रूप से विद्यालय परिसर को हरियाली से आच्छादित करने में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। लगभग छह वर्षों में उन्होंने विद्यालय को हरित वातावरण प्रदान करते हुए सैकड़ों पौधों का रोपण करवाया। इन पौधों की उन्होंने बच्चों की तरह देखभाल की और उन्हें वृक्ष के रूप में विकसित करने में अहम भूमिका निभाई। आज विद्यालय का हर कोना उनकी मेहनत और प्रकृति प्रेम की गवाही देता है, जो पूरे जिले के लिए एक प्रेरणा बन चुका है।

शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका योगदान अतुलनीय रहा। उन्होंने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान दिया। कमजोर विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय देकर पढ़ाना, उन्हें प्रोत्साहित करना और बेहतर परिणाम दिलाना उनकी कार्यशैली का प्रमुख हिस्सा रहा।

कटौती से तेंदूखेड़ा परेशान, दिन एवं रात में कई बार आ जा रही बिजली

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर एवं आसपास के क्षेत्र इन दिनों बदहाल विद्युत व्यवस्था के कारण भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। सोमवार को आए तेज आंधी-तूफान के बाद से बिजली आपूर्ति पूरी तरह चरमरा गई है। जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम लगभग 5 बजे बिजली आपूर्ति बाधित हुई, जो करीब 23 घंटे बाद बहाल हो सकी। हालांकि, इसके बाद भी स्थिति सामान्य नहीं हो पाई है और लगातार बिजली का आना-जाना बना हुआ है। इस अनियमित विद्युत व्यवस्था ने आमजन का जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। भीषण गर्मी के इस दौर में बिजली की लगातार कटौती से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। छोटे बच्चे, बुजुर्ग और बीमार व्यक्ति विशेष रूप से प्रभावित हो रहे हैं। रात के समय बिजली गुल होने से लोगों की नींद भी पूरी नहीं हो पा रही है, जिससे उनकी दिनचर्या पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है।

सबसे गंभीर समस्या जल आपूर्ति को लेकर सामने आई है। नगर में पिछले तीन दिनों से पानी की सप्लाई पूरी तरह प्रभावित है, जिसका मुख्य कारण बिजली व्यवस्था का बाधित होना बताया जा रहा है। पानी के अभाव में लोगों को 2 से 3 किलोमीटर दूर जाकर पानी लाना पड़ रहा है। इससे महिलाओं और बुजुर्गों को खासतौर पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि हर साल आंधी-तूफान के बाद इस तरह की समस्याएं सामने आती हैं, लेकिन इसके स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। लोगों ने विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं और मांग की है कि जल्द से जल्द व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त किया जाए। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से अपील की है कि विद्युत आपूर्ति को सुचारू रूप से बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं और जल आपूर्ति व्यवस्था को भी जल्द सामान्य किया जाए। साथ ही भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचाव के लिए स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को बार-बार इस तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

मेट्रो एंकर

मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच की बैठक में कार्यकारिणी विस्तार

संगठन मजबूती और कर्मचारी हितों पर जोर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

म.प्र. कर्मचारी मंच जिला शाखा दमोह के तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण एवं बैठक का आयोजन जिलाध्यक्ष कौशल सिंह पोर्ते के निज निवास पर किया गया। बैठक में जिले भर से आए कर्मचारियों एवं संगठन पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और संगठन को सशक्त एवं व्यापक बनाने के साथ-साथ कर्मचारियों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गंभीरता से मंथन किया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को अधिक प्रभावी, संगठित एवं सक्रिय बनाना रहा। इस दौरान कर्मचारियों की जमीनी समस्याओं, उनके त्वरित निराकरण के उपायों तथा भविष्य की रणनीति को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में कर्मचारियों की आवाज को मजबूती से उठाने के लिए संगठन की एकजुटता और सक्रियता अत्यंत आवश्यक है।

बैठक के दौरान सर्वसम्मति से जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। इसके तहत श्रीमती पूजा ठाकुर को जिला सचिव, मुंशी सिंह ठाकुर को प्रवक्ता, मुन्ना लाल विश्वकर्मा एवं उमेश तिवारी को उपाध्यक्ष, महेश सिंह करपेती को कोषाध्यक्ष, चंद्रभान सिंह तेकाम को सहसचिव, देवी सिंह धुर्वे को महामंत्री, वंशीधर अठया को प्रचार मंत्री, राजेन्द्र अवस्थी को प्रवक्ता, अकील मोहम्मद पठान को सलाहकार तथा वीरेंद्र सिंह ठाकुर को सदस्य के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई। सभी पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री कौशल सिंह पोर्ते ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसकी एकता, अनुशासन और निरंतर सक्रियता में निहित होती है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से अपेक्षा की कि वे संगठन के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करते हुए कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान हेतु तत्पर रहें और उनकी आवाज को मजबूती से उठाएं।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि म.प्र. कर्मचारी मंच कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा और न्याय दिलाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करता रहेगा। आने वाले समय में संगठन द्वारा विभिन्न स्तरों पर रचनात्मक एवं आवश्यक होने पर संघर्षात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि कर्मचारियों की समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में आगामी कार्ययोजना पर भी सहमति बनी, जिसमें सदस्यता अभियान को तेज करने, संगठन को जिले के प्रत्येक विकासखंड तक विस्तारित करने तथा अधिक से अधिक कर्मचारियों को जोड़ने का निर्णय लिया गया। विशेष रूप से इस अवसर पर संभागीय सचिव श्री मिथलेश कुमार सांडिल्य की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए सभी पदाधिकारियों को सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने संगठन के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करते हुए एकजुटता का संदेश दिया। बैठक का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

बेरहम बल्लेबाज...लाचार गेंदबाज

आईपीएल में कमाल पिच का या फिर बल्ले का

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

2026आईपीएल की शुरुआत से ही इस बात की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही कि क्या 19वें संस्करण में कोई भी टीम 300 रनों के आंकड़ा पार कर पायेगी या नहीं। लीग चरण के 70 मैचों में से अब तक हुए 41 मैचों के बाद भी यह सवाल जस का तस है।बल्लेबाजों के धूम धड़ाके वाले मौजूदा आईपीएल में गेंदबाजों की दुर्गति के बाद यह बात समझ से परे है कि आखिरकार गेंदबाज इतने लाचार क्यों दिख रहे हैं जबकि बल्लेबाज बेरहम नजर आ रहे हैं।मौजूदा आईपीएल में गेंदबाजों की दुर्दशा का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि ज्यादातर मुकाबलों में 200 रनों के स्कोर किसी भी टीम के लिए साधारण लक्ष्य नजर आने लगा है।अगर आंकड़ों पर गौर करें तो अभी तक हुए मैचों में 10 मर्तबा टीमों ने 200 से अधिक रनों का टारगेट भी आसानी से चेस कर लिया है।इतना ही नहीं इस दौरान 2 बार तो 250 रनों का लक्ष्य देने वाली टीमें मुकाबला नहीं जीत सकी हैं।एक बार जहां दिल्ली टीम के गेंदबाज 264 रनों के पहाड़ को बचाने में बौने नजर आए,वहीं कल के मुकाबले में यही हाल मुंबई के गेंदबाजों का रहा।जसप्रीत बुमराह,बोल्ट और हार्दिक पंड्या जैसे गेंदबाज का वही हश्र हुआ जैसा हाल अक्षर पटेल,कुलदीप जैसे अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों का 3 दिन पहले पंजाब के बल्लेबाजों के सामने हुआ था।सवाल यह है कि क्या वाकई में बल्लेबाजों ने आईपीएल में खेलने का कोई नया तरीका इजाद कर लिया है(खासतौर से युवा बल्लेबाजों ने) या फिर गेंदबाज अपनी पूरी ताकत व काबलियत का इस्तेमाल इस टूर्नामेंट में नहीं कर रहे हैं।कहीं ऐसा तो नहीं आईपीएल के रोमांच और मनोरंजन में सिर्फ बल्लेबाजों की ही सहूलियत को ध्यान में रखते हुए पिच तैयार की जा रही हैं।सवाल बेहद पेचीदा है लेकिन जब गेंदबाजों और बल्लेबाजों के खेल के स्तर में इतना फर्क नजर आयेगा तो यह बात जहन में आना भी लाजमी है।अगर हम पॉइंट्स टेबल पर नजर डालें तो फिर टॉप 4 की टीमों की असल ताकत सिर्फ बल्लेबाजी कही जा सकती है।भले ही इन सभी टीमों में अर्शदीप, रबाडा, कमिंस,आर्चर,फर्ग्यूसन और हेसलवुड जैसे गेंदबाज रहे हों,लेकिन इनकी जीत में बल्लेबाजों ने ही अहम रोल अदा किया है।वहीं टूर्नामेंट में पिछड़ी हुई टीमों की असफलता की वजह गेंदबाजी से कहीं अधिक उनके स्टार बल्लेबाजों की नाकामी नजर आयी है।सूर्यकुमार,तिलक वर्मा,हार्दिक पंडया, मार्करम, मिचेल मार्श, पूरन, पंत, सीफर्ट,डेविड मिलर, ब्रेविस, फिन एलेनऔर टिम डेविड जैसे बल्लेबाजों की भूमिका कहीं न कहीं इन टीमों के पिछड़ने की वजह कही जा सकती है।अब यह बात वाकई समझ से परे है कि जिस पिच पर युवा बल्लेबाज धमाल मचा रहे हों उसी पिच पर अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुके सभी दिग्गज फिर चाहे वह बल्लेबाज हों या फिर गेंदबाज ही क्यों हों वह इतने नाकाम ओर लाचार क्यों दिख रहे हैं।कहीं ऐसा तो नहीं कि इन खिलाड़ियों का नजरिया मात्र आर्थिक हित तक सीमित हो गया है।2 माह से अधिक चलने वाले इस थकाऊ टूर्नामेंट को लेकर ये खिलाड़ी उतना सीरियस नहीं हैं जिसकी दरकार उनकी फ्रेंचाइजी को रहती है। खैर मौजूदा आईपीएल में अब तक जो हुआ वह बल्लेबाजों के नाम ही दर्ज कहा जा सकता है,लेकिन आने वाला दौर पिछड़ी हुई टीमों के लिए सभी मैचों में करो या मरो वाले होंगे।ऐसे में बस यही देखना दिलचस्प रहेगा कि क्या वाकई कोई उलटफेर इस बार देखने को मिलता है या फिर बेरहम बल्लेबाज यूँही गेंदबाजों को लाचार फॉर्मूले में पीटते हुए 2026 आईपीएल बल्लेबाजी के नाम लिख देंगे।

आज होगा आरसीबी और गुजरात का बड़ा मुकाबला

अहमदाबाद, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुरुवार को गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मुकाबला होगा। गुजरात टाइटंस घरेलू मैदान पर लीग के इस मुकाबले में जीत दर्ज करने का प्रयास करेंगी हालांकि ये उसके लिए बेहद कठिन होगा। इस सत्र में टाइटंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है ओर उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं भी बेहद कमजोर हैं। गुजरात की टीम अंक तालिका में 8 अंक लेकर पांचवे नंबर पर है। वहीं दूसरी ओर आरसीबी 12 अंक लेकर अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है और जीत की प्रबल दावेदार है। रजत पाटीदार की कप्तानी में उतरी आरसीबी के पास विराट कोहली जैसे अनुभवी बल्लेबाज भी हैं जिससे टीम की बल्लेबाजी ताकत का अंदाज होता है। वहीं गुजरात की कमान शुभमन

शाम 7: 30 बजे से होगा सीधा प्रसारण

गिल के पास है। टीम में शुभमन के अलावा साई सुदर्शन जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं पर टीम के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है।

गेंदबाजी की बात करें तो आरसीबी के पास भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड और ऋुणाल पांड्या जैसे गेंदबाज हैं जबकि गुजरात के पास कासिगो रबाडा, मोहम्मद सिराज और राशिद खान जैसे खिलाड़ी हैं। इस प्रकार देखा जाये तो गेंदबाजी मे दोनो ही टीमें तकरीबन बराबरी पर हैं। वहीं आंकड़ों पर पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच कुल 7 मुकाबले हुए हैं। इसमें से आरसीबी ने 4 जबकि गुजरात ने 3 जीते हैं

गुजरात टाइटंस-साईं सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शाहरुख खान, जेसन होल्डर, राशिद खान, अरशद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, मानव सुथार। इम्पैक्ट प्लेयर- राहुल तेवतिया।

आरसीबी-रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, जैकब बेथेल, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, ऋुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा। इम्पैक्ट प्लेयर- रसिख सलाम।

कैफ ने की भुवनेश्वनर की टीम इंडिया में वापसी की मांग

मुम्बई, एजेंसी

पूर्व भारतीय बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने कहा है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए आईपीएल के इस सत्र में तेज गेंदबाज भुवनेश्वनर कुमार ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी को देखते हुए अब उनकी भारतीय टीम में वापसी होनी चाहिये। कैफ के अनुसार भुवनेश्वर इस बार सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के भी दावेदार हैं और उनकी गेंदबाजी काफी प्रभावी रही है। ऐसे में उनके नाम पर फिर से विचार होना चाहिये। उन्होंने का कि इस सत्र में भूवी ने अपनी स्विंग गेंदबाजी और सटीक लाइन-लेंथ से विरोधी बल्लेबाजों को

कोई अवसर नहीं दिया है। उन्होंने अलग-अलग हालातें में काफी अच्छी गेंदबाजी की है।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उन्होंने केवल 3 ओवर में ही 5 रन देकर 3 विकेट लिए थे। कैफ का कहना है कि जब भुवनेश्वर शुरुआत में आये थे तभी ऐसी गेंदबाजी करते थे। कैफ ने कहा-जब वह 17 साल के थे, तब मैंने उनकी स्विंग और कंट्रोल देखकर उन्हें टीम में शामिल करने की मांग की थी। रणजी फाइनल में उन्होंने सचिन तेंदुलकर का विकेट लिया था। कैफ ने साथ ही कहा- आज भी 36 साल की उम्र में बेहतरीन गेंदबाजी कर रहे हैं और दुनिया के टॉप बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं। इसलिए उनकी टीम इंडिया में वापसी होनी चाहिये।जिस प्रकार से वह खेल रहे हैं उससे साफ है कि उम्र एक नंबर है और उसका प्रदर्शन से लेन-देना नहीं है। इसके अलावा जिस प्रकार वह दबाव में शांत रहते हुए योजनाओं को अमल में लाते है वह सबसे अहम बात है। ऐसे में उनके वर्तमान फार्म को देखते हुए भारतीय टीम में जगह मिलनी चाहिये। इससे टीम की गेंदबाजी मजबूत होगी।

आईपीएल में अभी किसी टीम को प्रबल दावेदार नहीं बता सकते: सौरभ गांगुली

कोलकाता , एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है आईपीएल में सभी टीमें अच्छा खेल रही हैं और ऐसे में ये नहीं कहा जा सकता है कि कौन सी टीम जीतेगी । पंजाब किंग्स अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए काफी अच्छा कर रही है। इसके अलावा राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु भी उसे कड़ी टक्कर दे रही हैं। अन्य टीमों भी उलटफेर कर रही हैं। कुल मिलाकर टूर्नामेंट अभी संतुलित हाल में

है और कोई भी टीम आगे जा सकती है। इसलिए ये नहीं कहा जा सकता है ये टीम खिताब की प्रबल दावेदार है। गांगुली के अनुसार अभी करीब आधे मुकाबल बचे हुए है और ऐसे में ये टूर्नामेंट किसी भी दिशा में जा सकता है। कुल मिलाकर देखा जाये तो अभी कोई भी टीम ऊपर आ सकती है क्योंकि इस बार काफी अच्छी प्रतिस्पर्धा हो रही है। । अंक तालिका में भी टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हो रहा है। पंजाब किंग्स अभी पहले स्थान पर चल रही है।

यशस्वी, रॉयल्स की ओर से सबसे अधिक अर्धशतक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने

न्यू चंडीगढ़, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के सलामी बल्लेबाज यशस्वी आईपीएल में सबसे अधिक अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ यहां हुए मुकाबले में यशस्वी ने 51 रन बनाते ही ये उपलब्धि अपने नाम की। अब उनके नाम 20 अर्धशतक हो गये हैं और वह रॉयल्स की ओर से सबसे अधिक अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं पहले नंबर पर संयुक्त रुप से जोस बटलर और संजू सैमसन हैं। दोनो ने ही 25-25 अर्धशतक लगाये हैं। बटलर ने ये अर्धशतक 82 पारियों जबकि सैमसन ने 144 पारियों में लगाये हैं।

वहीं तीसरे नंबर पर अजिंक्य रहाणे हैं। रहाणे ने 93 पारियों में 19 अर्धशतक लगाए हैं जबकि शेन वॉटसन ने 76 पारियों में 16 अर्धशतक लगाये हैं।

इस मुकाबले में पंजाब किंग्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 222 रन बनाए। मार्कस स्टोइनिस ने 22 गेंदों में तेजी से 62 रन बनाकर टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। वहीं प्रभसिमरन सिंह ने 59 रन बनाए। इनके अलावा, कूपर कोनोली और कप्तान श्रेयस अय्यर ने 30-30 रन बनाये। राजस्थान ने हालांकि ये लक्ष्य चार विकेट खोकर हासिल कर लिया।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

अप्रैल का महीना बहुत तेजी से बीत गया: हुमा कुरैशी

अपने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने बीते महीने की एक दिलकश झलक साझा की है। अभिनेत्री ने अप्रैल महीने के बचे हुए सामान को शेयर करते हुए स्वीकार किया कि उन्हें लगता है कि अप्रैल का महीना बहुत तेजी से बीत गया। अभिनेत्री हुमा ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, यह महीनाज्बहुत तेजी से बीत रहा हैज्अप्रैल अभी खत्म भी नहीं हुआ है। यह टिप्पणी समय के तेजी से बीतने की उस सामान्य भावना को दर्शाती है, जिसे हम सभी अनुभव करते हैं। उनकी साझा की गई तस्वीरों और वीडियो के एल्बम में उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन के विविध क्षणों को खूबसूरती से कैद किया गया है। एल्बम की पहली तस्वीर में हुमा अपने बिस्तर पर आराम करती हुई नजर आईं, जो उनके निजी और शांत पलों को दर्शाती है। इसके बाद गैंग्स ऑफ वासेपुर की अभिनेत्री की एक और शानदार तस्वीर थी, जिसमें वह मिरर सेल्फी में बेहद आकर्षक लग रही थीं, जो उनके ग्लैमरस पक्ष को उजागर करती है। कैफे में आराम करने से लेकर सड़क पर खुशी-खुशी अपनी कॉफी का आनंद लेने तक और खरीदारी के उत्साह में डूबे रहने तक, अप्रैल का महीना हुमा के लिए गतिविधियों और आनंद से भरा हुआ था। इन तस्वीरों में उनके जीवन की छोटी-छोटी खुशियों और व्यस्तताओं की झलक साफ दिखाई देती है।

इस पोस्ट में हुमा द्वारा पसंद किए गए सभी स्वादिष्ट व्यंजनों की झलक भी मिलती है, जिनमें एक संतुलित देसी थाली से लेकर वड़ा पाव और बर्गर जैसे लोकप्रिय फास्ट फूड शामिल हैं। यह उनके भोजन के प्रति प्रेम और विभिन्न व्यंजनों का आनंद लेने की प्रवृत्ति को दर्शाता है। जॉली एलएलबी 2 की अभिनेत्री ने अपने प्यारे पालतू जानवर की कुछ मनमोहक तस्वीरें भी साझा कीं, जो उनके पालतू जानवर के साथ उनके स्नेहपूर्ण रिश्ते को दर्शाती हैं।

मेट्रो बाजार

डील पक्की करने अगले माह कनाडा जाएंगे उद्योग मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि कनाडा के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को गति देने के मकसद से वह अगले महीने कनाडा जाएंगे। उन्होंने कहा कि कनाडा के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए बातचीत के दायरे को अंतिम रूप दे दिया गया है। 2023 में राजनयिक तनाव के कारण रुकी बातचीत फिर से शुरू हो गई है। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा आयोजित विश्व बौद्धिक संपदा (आईपी) दिवस 2026 के समापन सत्र को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि चिली के अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ता प्रभारी मंत्री 12 मई को भारत का दौरा करेंगे। मंत्री ने यह भी

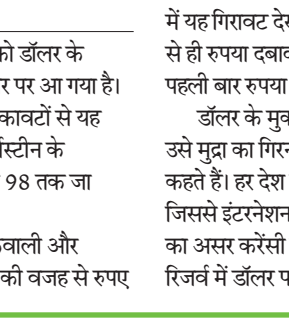

कहा कि भारत पेरू के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर भी चर्चा कर रहा है।

भारत अब तक 9 मुक्त व्यापार समझौते कर चुका है। इससे करीब दो तिहाई वैश्विक अर्थव्यवस्था और वैश्विक व्यापार तक भारत को तरजीही पहुंच मिल गई है। इसमें 38 विकसित और अमीर देश शामिल है। गोयल ने स्वीकार किया कि 6 देशों वाले गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के साथ एफटीए पर बातचीत पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण रुक गई है, लेकिन इसे बहाल करने के लिए कवायद जारी है। उन्होंने कहा कि रूस के नेतृत्त्व वाले यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन (ईएईयू) और साउथ अफ्रीकन कस्टम्स यूनियन (एसएसीयू) के साथ हम बातचीत कर रहे हैं। एसएसीयू में दक्षिण अफ्रीका शामिल है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गोयल ने घोषणा की कि दुनिया एक बार फिर हमारे साथ है। भारत दुनिया का आकर्षण है।' उन्होंने कारोबारियों और नवोन्मेषकों से 'पेटेंट, प्रोड्यूस और प्रॉस्पर' के मंत्र से बाजार खुलेपन का लाभ उठाने का आग्रह किया। खेल संबंधी सभी बौद्धिक संपदा फाइलिंग के लिए तत्काल प्रभाव से लागू तीन साल का शून्य शुल्क की व्यवस्था लागू है। इस छूट में पेटेंट, ट्रेडमार्क, डिजाइन, कॉपीराइट, भौगोलिक संकेत और पारंपरिक ज्ञान उत्पाद शामिल हैं। गोयल ने कहा कि खेल उपकरण, डिजाइन, ऐप्स, मीडिया अधिकार या पारंपरिक ज्ञान में प्रत्येक नए विचार को तुरंत पंजीकृत किया जाना

रुपया रिकॉर्ड ऑल टाइम लो पर आया: एक डॉलर की कीमत 95.20 रुपए हुई, इससे महंगाई बढ़ने का खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रुपया आज यानी 30 अप्रैल को डॉलर के मुकाबले 95.20 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया है। मिडिल ईस्ट युद्ध और एनर्जी सप्लाई रुकावटों से यह गिरावट आई। विदेशी ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन के मुताबिक, ईरान युद्ध जारी रहा तो रुपया 98 तक जा सकता है।

विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और वैश्विक स्तर पर बढ़ते व्यापारिक तनाव की वजह से रुपए में यह गिरावट देखी जा रही है। साल 2026 की शुरुआत से ही रुपया दबाव में है। पिछले साल दिसंबर 2025 में पहली बार रुपया 90 के स्तर के पार गया था।

डॉलर के मुकाबले किसी करेंसी की वैल्यू घटे तो उसे मुद्रा का गिरना या कमजोरी (करेंसी डेप्रिसिएशन) कहते हैं। हर देश के पास फॉरेन करेंसी रिजर्व होता है, जिससे इंटरनेशनल ट्रांजैक्शन होते हैं। इसके घटने-बढ़ने का असर करेंसी पर पड़ता है। अगर भारत के फॉरेन रिजर्व में डॉलर पर्याप्त होंगे तो रुपया स्थिर रहेगा।

मैंने ब्रेक नहीं लिया, अच्छी फिल्मों की तलाश में रहती हूं: नीतू चंद्रा

पहले बॉलीवुड और फिर हॉलीवुड तक का प्रभावशाली सफर तय करने वाली अभिनेत्री नीतू चंद्रा अब अच्छी और सार्थक फिल्मों की तलाश में हैं। अभिनेत्री ने फिल्मों से ब्रेक लेने की अफवाहों का खंडन करते हुए स्पष्ट किया है कि वे लगातार ऐसी स्क्रिप्ट और प्रोजेक्ट्स की तलाश में हैं जो उन्हें रचनात्मक रूप से संतुष्ट कर सकें। गरम मसाला, ट्रैफिक सिग्नल और ओए लकी ! लकी ओए ! जैसी फिल्मों में अपनी पहचान बना चुकीं नीतू चंद्रा ने अपने करियर के सफर, चुनौतियों और प्राथमिकताओं के बारे में खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि उनका ध्यान हमेशा सार्थक काम पर रहा है, न कि स्टारडम की बाहरी चकाचौंध या अनावश्यक दिखावे पर, जो अक्सर मनोरंजन जगत का हिस्सा होता है। अपने ब्रेक लेने की धारणा पर बात करते हुए नीतू ने दृढ़ता से कहा, मैंने कोई ब्रेक नहीं लिया। मैं अच्छी फिल्मों की तलाश करती रहती हूं। उन्होंने आगे उन चुनौतियों को उजागर किया जिनका उन्हें सामना करना पड़ा। नीतू ने बताया, आप यह नहीं समझते कि बिहार से आई एक लड़की को, जो बिल्कुल साधारण बैकग्राउंड से आती है, हॉलीवुड तक पहुंचने में कितना समय लगा होगा।

चीन के किनझोऊ में भारी बारिश से चरमराई व्यवस्था

» सड़कों पर चलानी पड़ रही नाव

किनझोऊ। चीन के दक्षिणी गुआंग्शी झुआंग स्वायत्त क्षेत्र में भारी बारिश के कारण हजारों कारें जलमग्न हो गई हैं। इससे पूरी व्यवस्था चरमरा गई है। सड़कें जलमग्न हैं। लोगों के घरों और दुकानों तक में पानी घुस चुका है। सड़कों पर लोगों को नाव चलानी पड़ रही है। बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित ठिकानों की ओर भेजा जा रहा है। चीन के ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार इस बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र किनझोऊ रहा। स्थानीय मौसम विभाग के अनुसार किनझोऊ के किननान जिले के जिउलॉन्ग कस्बे में सबसे ज्यादा 362.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो अत्यंत भारी बारिश की श्रेणी में आती है। वहीं सुबह 4 बजे एक घंटे में 143.3 मिलीमीटर बारिश हुई। सुबह 6 से 8 बजे के बीच किनझोऊ के शहरी क्षेत्र और आसपास के इलाकों में 200 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने चेतावनी दी कि इससे बेहद गंभीर जलभराव हो सकता है। सुबह 10 बजे किनझोऊ मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया। सुबह 9 से 10 बजे के बीच विभिन्न इलाकों में भारी बारिश हुई। इनमें डोंगचांग में 69 मिमी, नाली में 66 मिमी, चीन-मलेशिया किनझोऊ इंडस्ट्रियल पार्क में 59 मिमी और दाफानपो में 53 मिमी बारिश दर्ज की गई।

न्यूज विंडो

ट्रिपल मर्डर का आरोपी जीतू सैनी मुठभेड़ में ढेर,दो पुलिसकर्मी भी घायल

बुलंदशहर। बुलंदशहर के खुर्जा में सुभाष मार्ग स्थित जिम पर 25 अप्रैल की रात को हुए तिहरे हत्याकांड में मुख्य आरोपीय जीतू सैनी और पुलिस के बीच सुबह सिकंदरपुर गांव के पास मुठभेड़ हुई। इसमें जीतू सैनी के दो गोली लगी, जिसको घायल अवस्था में जटिया अस्पताल लाया गया। वहां से उसको जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।अस्पताल में उपचार के दौरान जीतू सैनी की मौत हो गई। वहीं मुठभेड़ के दौरान स्वाट टीम प्रभारी मोहम्मद असलम और सिपाही मोहित मलिक के भी गोली लगी, जिनको जटिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस टीम जीतू के आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है। इससे पहले, बुधवार को भी कोतवाली पुलिस और तिहरे हत्याकांड के दो आरोपी 50-50 हजार रुपये इनामी रिंकू व भारत के बीच रात को मुठभेड़ हुई थी। इसमें रिंकू दाएं और भारत के बाएं पैर में गोली लगी। आरोपियों के पास से पुलिस ने घटनास्थल के सीसीटीवी की डीबीआर, एक अवैध पिस्टल, एक तमंचा व कारतूस बरामद किए।सीओ खुर्जा शोभित कुमार ने बताया कि 25 अप्रैल की रात को जिम पर जन्मदिन पार्टी के दौरान हुई फायरिंग में तीन युवकों की हत्या कर दी गई थी। इसमें तीन आरोपी पूर्व में जेल जा चुके हैं।

बिहार में बड़ा फैसला: पटना जू और डेयरी संस्थान से हटा संजय गांधी का नाम

पटना। बिहार में भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री बनने के बाद से राज्य में संस्थानों के नाम बदलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बिहार में सम्राट सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। पटना चिड़ियाघर और डेयरी प्रौद्योगिकी संस्थान से संजय गांधी का नाम हटा दिया है।भाजपा के नेतृत्व वाली सम्राट सरकार ने पटना के संजय गांधी जैविक पार्क और संजय गांधी डेयरी प्रौद्योगिकी संस्थान का नाम बदल दिया है।सम्राट सरकार ने संजय गांधी जैविक पार्क का नाम 'पटना चिड़ियाघर' और संजय गांधी डेयरी प्रौद्योगिकी संस्थान का नाम बदलकर 'बिहार राज्य डेयरी प्रौद्योगिकी संस्थान' कर दिया है।

डबल मर्डर: झगड़ा सुलझाने आए ससुर और साले को दामाद ने गोलियों से भूना

संगरूर। पंजाब के संगरूर जिले के शादीहरी गांव में अपने बेटी के घर घरेलू कलेश का मसला सुलझाने आए बाप-बेटे की उनके दामाद ने गोलियां मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल बन गया है। हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद दामाद मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कार्रवाई आरंभ कर दी। जानकारी अनुसार गांव शादीहरी में डबल मर्डर की घटना बुधवार देर रात सामने आई है, जिससे इलाके में गांव शादीहरी के अमरीक सिंह के बेटे गुरविंदर सिंह ने अपने ससुर लखबीर सिंह व साले जगसीर सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी है।गुरविंदर सिंह की शादी पटियाला जिले के बसी रसोली के लखबीर सिंह की बेटी वीरपाल कौर से हुई थी। दोनों के बीच हमेशा घरेलू झगड़ा होता रहता था। बीती रात उसके ससुर लखबीर सिंह और साला जगसीर सिंह झगड़ा सुलझाने के लिए उसके गांव शादीहरी पहुंचे। यहां बातचीत दौरान झगड़ा बढ़ गया, जिसके कारण गुरविंदर सिंह ने गुस्से में आकर अपने ससुर लखबीर सिंह व साले जगसीर सिंह पर गोलियां चला दीं। जिसके बाद उन्हें सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

ऑपरेशन सिंदूर के एक साल बाद रक्षामंत्री का खुलासा

पाकिस्तान के साथ लंबी लड़ाई के लिए हम तैयार थे: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अपनी शर्तों पर स्वेच्छा से रोका था और जरूरत पड़ने पर पाकिस्तान के खिलाफ लंबी लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार था।एएनआई नेशनल सिक्योरिटी समिट 2.0 में बोलते हुए उन्होंने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का केंद्र बताया और कहा कि आतंकवाद की जड़ों को पूरी तरह खत्म करना जरूरी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व क्षमता की तारीफ करते हुए कहा कि सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत आतंकवाद को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र

रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया था और यह एक बड़ा मोड़ साबित हुआ। इससे दुनिया को संदेश गया कि भारत अब सिर्फ बयान देने तक सीमित नहीं रहेगा।उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने हमले के दौरान केवल उन ठिकानों को निशाना बनाया, जहां से आतंकवादी गतिविधियां चल रही थीं। राजनाथ सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि ऑपरेशन इसलिए नहीं रोका गया क्योंकि भारत कमजोर पड़ा, बल्कि यह फैसला पूरी तरह स्वेच्छा से और अपनी शर्तों पर लिया गया था।

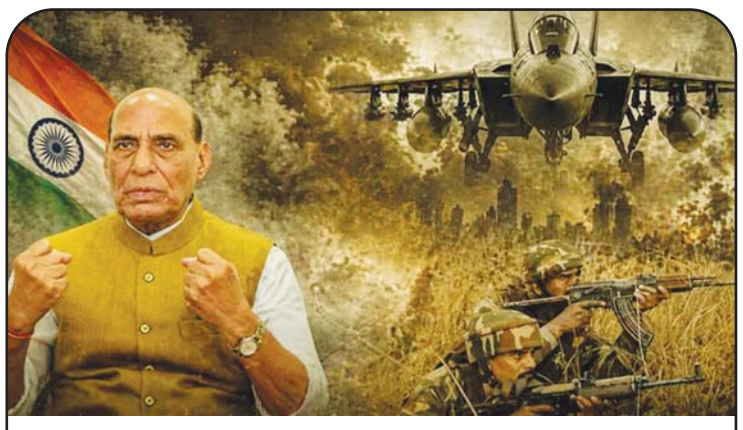

भारतीय सेना की क्षमता पहले से ज्यादा मजबूत हुई

उन्होंने बताया कि भारतीय सेना की क्षमता पहले से ज्यादा मजबूत हुई है और जरूरत पड़ने पर तेजी से अपनी ताकत बढ़ाने की क्षमता भी मौजूद है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत को परमाणु हमले की धमकी भी दी गई थी, लेकिन देश ने इसे गंभीरता से नहीं लिया और किसी दबाव में नहीं आया। उन्होंने कहा कि भारत का सैन्य तंत्र शांति के समय ही नहीं, बल्कि युद्ध के दौरान भी तेजी से संसाधन जुटाने में सक्षम है।रक्षा मंत्री ने कहा कि आतंकवाद केवल एक सुरक्षा मुद्दा नहीं है, बल्कि इसके तीन पहलू हैं ऑपरेशनल, वैचारिक और राजनीतिक। जब तक इन तीनों स्तरों पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक आतंकवाद खत्म नहीं होगा।उन्होंने पाकिस्तान पर आतंकवाद को समर्थन देने का आरोप लगाते हुए कहा कि भारत आईटी के लिए जाना जाता है, जबकि पाकिस्तान 'इंटरनेशनल टेररिज्म' के लिए पहचाना जाता है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को खत्म करने के लिए उसकी वैचारिक और राजनीतिक जड़ों को खत्म करना बेहद जरूरी है।पहलगाम हमले में 26 लोगों की मौत के बाद 7 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था। इस दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर हमला किया।

सीधी सबसे गर्म शहर, पारा 43.8° दर्ज

मौसम के मिजाज में बदलाव आधे प्रदेश में बारिश के आसार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में इन दिनों भीषण गर्मी लोगों को बेहाल कर रही है। बीते दिन राजधानी भोपाल में तापमान 43.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। हालांकि, मौसम में अब बदलाव के संकेत मिल रहे हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 3 से 4 दिनों में लू से राहत मिलने की संभावना है। गुरुवार के लिए लू का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। प्रदेश के कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश होने का अनुमान जताया गया है। जिन जिलों में मौसम बदलने की संभावना है, उनमें ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, राजगढ़, नीमच, मंदसौर, सागर, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, मंडला, बालाघाट, सिवनी और छिंदवाड़ा समेत कई इलाके शामिल हैं।मौसम विभाग ने बताया कि प्रदेश के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय है और एक ट्रफ लाइन गुजर रही है, जिसके कारण मौसम में यह बदलाव देखने को मिल रहा है। दूसरी ओर भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर सहित कई जिलों में अभी भी तेज गर्मी का असर बना रहेगा। बुधवार को सीधी प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा रायसेन में 43.6 डिग्री, नरसिंहपुर और खंडवा में 43 डिग्री, सतना में 42.9 डिग्री और रीवा में 42.5 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। प्रदेश के बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 43.7 डिग्री, इंदौर में 40.1 डिग्री, ग्वालियर में 39.4 डिग्री, उज्जैन में 40 डिग्री और जबलपुर में 40.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

मौसम विभाग का कहना है कि 2 मई से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा, जिसका असर मध्यप्रदेश के मौसम पर भी पड़ सकता है।

इसरो से जुड़े दिहाड़ी मजदूरों को स्थायी करने का 'सुप्रीम' आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने इसरो से जुड़े लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम्स सेंटर (एलपीएससी) में काम कर रहे दिहाड़ी मजदूरों को बड़ी राहत देते हुए उनकी सेवाओं को नियमित करने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि संबंधित अधिकारियों ने पहले दिए गए न्यायिक निर्देशों का पालन नहीं किया और मजदूरों को स्थायी दर्जा देने में लापरवाही बरती।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही थी। यह याचिका उन दिहाड़ी मजदूरों ने दाखिल की थी, जो 1991 से 1997 के बीच महेंद्रगिरि स्थित एलपीएससी में सामग्री लोडिंग, अनलोडिंग और स्थानांतरण जैसे कामों में लगे थे। मजदूरों ने 'गैंग लेबरर्स (स्पोराडिक कार्य योजना), 2012' को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें अस्थायी आधार पर ही काम जारी रखने की व्यवस्था थी। मद्रास हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 2012 की यह योजना केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट), हाईकोर्ट और खुद सुप्रीम कोर्ट के पहले के आदेशों के विपरीत है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि इन आदेशों का पूरी तरह पालन नहीं किया गया, जबकि ये अंतिम रूप ले चुके थे।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला: वोटिंग राइट्स एक्ट कमजोर, ओबामा-हैरिस ने बताया लोकतंत्र के लिए काला दिन

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में चुनावी कानून को लेकर एक बड़ा और विवादास्पद फैसला सामने आया है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने लुइसियाना बनाम कैलाइस मामले में 6-3 के बहुमत से ऐसा निर्णय दिया, जिसने वोटिंग राइट्स एक्ट की धारा 2 के प्रभाव को काफी हद तक सीमित कर दिया है। इस फैसले के बाद अब किसी भी चुनावी नक्शे को नस्लीय आधार पर चुनौती देना पहले से कहीं ज्यादा कठिन हो जाएगा। कोर्ट के इस निर्णय ने अमेरिका की राजनीति और नागरिक अधिकारों को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

यह हैपूरा मामला

इस फैसले को जस्टिस सैमुअल अलिटो ने लिखा। उन्होंने कहा कि अदालत को यह मानकर

चलना चाहिए कि राज्य सरकारें सद्भावना में काम कर रही हैं। कोर्ट ने नस्लीय गेरिमैंडरिंग और राजनीतिक गेरिमैंडरिंग के बीच फर्क को और स्पष्ट किया। 2019 के एक फैसले के अनुसार, राजनीतिक आधार पर बनाए गए नक्शों को अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। अब नए फैसले के बाद, अगर कोई यह साबित करना चाहता है कि नक्शा नस्लीय भेदभाव के लिए बनाया गया है, तो उसे और अधिक ठोस सबूत पेश करने होंगे।

ओबामा और हैरिस की तीखी प्रतिक्रिया

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने सुप्रीम कोर्ट के एक हालिया फैसले की कड़ी आलोचना की है, जो मतदान अधिकारों से जुड़ा है। ओबामा ने कहा कि यह फैसला वोटिंग राइट्स एक्ट के एक अहम हिस्से को कमजोर करता है। उनके अनुसार इससे राज्यों को यह मौका मिल सकता है कि वे चुनावी क्षेत्रों की सीमाएं ऐसे तरीके से बदलें, जिससे काले और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों का वोटिंग असर कम हो जाए। उन्होंने कहा कि अगर राज्य इसे राजनीतिक वजह बताकर करें, तो इसे रोकना मुश्किल होगा। ओबामा ने इसे लोकतंत्र के लिए एक झटका बताया, लेकिन लोगों से अपील की कि वे हर चुनाव में ज्यादा से ज्यादा वोट करें और सक्रिय रहें।

मेट्रो एंकर ईरान संकट के बीच बड़ा फैसला, बदलाव अगले एक-दो महीने में हो सकता है लागू

सस्ता होगा एअर इंडिया का टिकट, बंद होगी खाना-लाउंज की सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी

फुल सर्विस एयरलाइन एअर इंडिया अब अपनी घरेलू और दो घंटे तक की छोटी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में खाने को वैकल्पिक बनाने की योजना बना रही है। यह बदलाव अगले एक-दो महीने में लागू हो सकता है। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद जो यात्री खाना नहीं लेंगे, उनके टिकट के दाम में करीब 250 रुपये तक की कमी हो सकती है। यह कदम बढ़ती लागत और कमाई के दबाव को देखते हुए उठाया जा रहा है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण एयरलाइंस की लागत बढ़ गई है और कमाई पर असर पड़ा है, जिससे एअर इंडिया भी जूझ रही है।

एअर इंडिया बिजनेस क्लास यात्रियों के लिए एयरपोर्ट लाउंज सुविधा को भी अलग करने पर विचार कर रही है। यानी जो यात्री लाउंज का इस्तेमाल नहीं करेंगे, उन्हें सस्ता टिकट मिल सकता है। मेट्रो शहरों के एयरपोर्ट पर लाउंज का खर्च करीब 1100 से 1400 रुपये प्रति व्यक्ति होता है, जबकि छोटे शहरों में यह 600 से 700 रुपये तक रहता है। औसतन एक यात्री पर लगभग 1000 रुपये खर्च आता है। कई बिजनेस क्लास यात्री ऐसे होते हैं जो समय की कमी के कारण लाउंज का उपयोग नहीं करते। ऐसे में इस सुविधा को अलग करने से उनके टिकट की कीमत कम हो सकती है।

बढ़ती लागत के कारण बदलाव

जानकारी के मुताबिक, शुरुआत से ही एअर इंडिया टिकट में खाने को शामिल रखती आई है। लेकिन अब एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमत बढ़ने और रुपये के कमजोर होने से टिकट महंगे हो रहे हैं। भारत जैसे कीमत के प्रति संवेदनशील बाजार में ज्यादा किराया बढ़ाने से यात्री ट्रेन या सड़क का विकल्प चुन सकते हैं।इसी वजह से एयरलाइन इस तरह के बदलावों पर विचार कर रही है। दुनिया की कई एयरलाइंस पहले ही ऐसी सुविधाओं को अलग कर चुकी हैं। अब फुल सर्विस और लो-कॉस्ट एयरलाइंस के बीच का अंतर भी धीरे-धीरे कम होता जा रहा है।

कंपनी पर आर्थिक दबाव

एअर इंडिया समूह अपने नए नैरो बॉडी विमानों को एअर इंडिया एक्सप्रेस में भेजने की योजना बना रहा है, जहां ज्यादा सीटें होती हैं और लागत कम रहती है। यहां फ्री खाना और लाउंज जैसी सुविधाएं नहीं होतीं। कंपनी कमाई बढ़ाने के लिए बोर्डिंग पास के पीछे विज्ञापन देने जैसे विकल्प भी देख रही है। एयर इंडिया एक्सप्रेस में यह पहले से लागू है।

ईरान से जुड़े युद्ध का असर पूरी दुनिया की एयरलाइंस पर पड़ा है। एअर इंडिया को पिछले वित्त वर्ष में करीब 24 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है और कंपनी अपने निवेशकों टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइंस से फंड की मांग कर चुकी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564